दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 214
मुरादाबाद
(Wednesday)
26 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राम मंदिर ध्वजारोहणः पीएम बोले- हमारा सपना पूरा हुआ, सदियों के घाव अब भर रहे हैं;योगी ने कहा- सनातन की जीत

रामलला के लिए वस्त्र लेकर पहुंचे पीएम मोदी, नजारा देख साधु-संत हुए भावुक

राम मंदिर ध्वजारोहण के बाद पीएम मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वह आए मेहमानों को संबोधित किया। राम मंदिर में ध्वजारोहण की प्रक्रिया पूरी हुई। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा बहुत पुराना सपना अब पूरा हुआ। सदियों पुराने घाव थे अब वह धीरे-धीरे भरने शुरू हुए। पीएम ने कहा कि हम ऐसा समाज बनाएं, जहां कोई गरीब न हो। कोई पीड़ित ना हो। यह ध्वज युगों युगों तक श्री राम के आदेशों और प्रेरणाओं को मानव मात्र तक पहुंचाएगा। उन्होंने हर दानवीर, श्रमवीर, कारीगर, योजनाकार, वास्तुकार का अभिनंदन किया। यही वह नगरी है, जहां से श्रीराम ने अपना जीवन पथ शुरू किया था। विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। यहां सप्त मंदिर बने हैं। यहां निषाद राज का मंदिर बना है, जो साधन नहीं साध्य और उसकी भवानाओं को पूजती है। यहां जटायु जी और गिलहरी की भी मूर्ति है। जो बड़े संकल्प की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास को दिखाती है। इस मौके पर सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिन है। इसके लिए जितने लोगों ने प्राण न्योछावर किए, उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक जी को वहां पर शांति मिली होगी। आज मंदिर का ध्वजारोहण हो गया। राम राज्य का ध्वज जो कभी अयोध्या में फहराता था, आज वह फहरा गया है। इस भगवा ध्वज पर रघुकुल का प्रतीक कोविदार वृक्ष है। यह वृक्ष रघुकुल की सत्ता का प्रतीक है। यह वह वृक्ष है जिसके लिए कहा जाता है, कि वृक्ष सबके लिए छाया देते हैं, स्वंय धूप में खड़े रहकर, फल भी दूसरों के लिए देते हैं। जाते जितनी कठिनाईयां हों, सूर्य भगवान उस संकल्प का प्रतीक है। इसमें सिर्फ एक ही पहिया है। जैसे सपना उन लोगों ने देखा था, बिल्कुल वैसा ही या यूं कहें कि उससे भी भव्य मंदिर बन गया है। %हमने कहा था कि रामलला आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे%सीएम योगी अदित्यनाथ के संबोधन में एक नई उर्जा दिखाई दी। उन्होंने कहा कि मंदिर के शिखर फहरा रहा यह केसरिया ध्वज नए भारत का प्रतीक है। 500 वर्षों में समय बदला, नेतृत्व बदला, लेकिन आस्था न झुकी, न रुकी। जब आरएसएस के हाथ में कमान आई तो सिर्फ एक ही आवाज गूंजती रही। रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। पीएम मोदी ने आधे घंटे के शुभ मूर्हत में ध्वजा फहराई। इस मौके पर देश-दुनिया के विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। राम मंदिर के शिखर पर क्रू मोदी ने ध्वजा फहराई। पीएम मोदी के बटन दबाते ही झंडा धीरे-धीरे ऊपर चढ़ता हुआ मंदिर के शीर्ष पर विराजमान हो गयाजैसे-जैसे झंडा ऊपर चढ़ता गया पीएम मोदी टकटकी लगाए उसे देखते रहे। पीएम मोदी इन पलों में भावुक नजर आए। ध्वजारोहण के समय सामने की कतार में साधु-संत बैठे हुए थे। वह भी भावुकता में अपने आंसू पोछते हुए नजर आए। इस कार्यक्रम में देश-दुनिया के करीब आठ हजार लोग आमंत्रित किए गए थे।अभिजीत मुहूर्त के शुभ समय में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवा ध्वज फहराया। इस दौरान जय श्री राम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। इससे पहले पीएम ने सरसंघचालक के साथ मिलकर सभी मंदिरों में दर्शन-पूजा की।पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि धर्म ध्वजा पर कोविदार वृक्ष बना है। जब भरत अपनी सेना के साथ चित्रकूट पहुंचे, तब लक्ष्मण ने दूर से ही अयोध्या की सेना को पहचान लिया। इसका वर्णन वाल्मीकि जी ने किया है। लक्ष्मण कहते हैं कि सामने जो ध्वज दिख रहा है, वह अयोध्या का धर्म ध्वज है, जिस पर कोविदार वृक्ष बना है। यह वृक्ष अपने को याद दिलाता है कि जब हम इसे भूलते हैं, तब अपनी पहचान खो देते हैं। आज से 190 साल पहले 1835 में मैकाले नाम के एक अंग्रेज ने भारत में मानसिक गुलामी की नींव रखी। आने वाले 10 वर्षों में उसके 200 साल होने वाले हैं। हमने संकल्प लिया है कि आने वाले 10 वर्षों में हम मानसिक गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाकर रहेंगें। पीएम ने आगे कहा कि अभी गुलामी की इस मानसिकता ने डेरा डाला हुआ है। हमने नौसेना के ध्वज से गुलामी की मानसिकता को हटाया। ये गुलामी की मानसिकता ही है, जिसने राम को नकारा है। भारतवर्ष के कण-कण में भगवान राम हैं। लेकिन, मानसिक गुलामी ने राम को भी काल्पनिक बता दिया। आने वाले एक हजार वर्ष के लिए भारत की नींव तभी मजबूत होगी, जब आने वाले 10 साल में हम मैकाले की मानसिक गुलामी से छुटकारा पा लेंगे। 21वीं सदी की अयोध्या विकसित भारत का मेरुदंड बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में आज शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें हैं। जब से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है, तब से 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन को आ चुके हैं। इससे अयोध्या व आसपास के लोगों का आर्थिक विकास हुआ है। 21वीं सदीं का आने वाला समय काफी महत्वपूर्ण है। पिछले 11 साल में भारत विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया है। वह दिन दूर नहीं जब भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन जाएगा।सियावर रामचंद्र के जयघोष के साथ पीएम मोदी ने अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण भारत, संपूर्ण विश्व राममय है। सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज धर्म ध्वजा की मंदिर में स्थापना हुई है। इसका भगवा रंग, सूर्य का चिन्ह, कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को दर्शाता है। सत्य में ही ध्वज स्थापित है। ये धर्म ध्वज प्रेरणा बनेगा। %प्राण जांए पर वचन न जाए%, अर्थात जो कहा जाए, वही किया जाए। पीएम ने कहा कि हम ऐसा समाज बनाएं, जहां कोई गरीब न हो। कोई पीड़ित न हो। यह ध्वज युगों-युगों तक श्री राम के आदर्शों और प्रेरणाओं को मानव मात्र तक पहुंचाएगा। उन्होंने राम मंदिर के लिए दान देने वाले हर दानवीर के साथ श्रमवीर, कारीगर, योजनाकार, वास्तुकारों का अभिनंदन किया। कहा कि यही वह नगरी है, जहां से श्रीराम ने अपना जीवन पथ शुरू किया थाराम को शक्ति नहीं सहयोग महान लगता है- उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। अयोध्या में सप्त मंदिर बने हैं। यहां निषाद राज का मंदिर बना है, जो साधन नहीं साध्य और उसकी भवानाओं की पूजा को दर्शाता है। यहां जटायु जी और गिलहरी की भी मूर्ति है, जो बड़े संकल्प की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास को दिखाती है। राम को शक्ति नहीं सहयोग महान लगता है। आज हम भी उसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। आज युवा, वंचित, किसान और महिलाओं सभी का ध्यान रखा जा रहा है। 2047 में जब हम आजादी के 100 वर्ष मनाएंगे, तब तक हमें विकसित भरात का निर्माण करना ही होगा। - हमें अपने अंदर राम को जगाना होगा पीएम ने आगे कहा कि हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में भी सोचना है। हमें दूर दृष्टि के साथ काम करना होगा। क्योंकि, जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था, जब हम नहीं होंगे यह देश तब भी होगा। इसके लिए राम को देखना होगा। राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखना होगा। राम यानि विवेक की पराकाष्ठा। राम यानि कोमलता में दृढ़ता। राम यानि श्रेष्ठ संगति का चयन। राम यानि सत्य का अडिग संकल्प। राम सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, एक मर्यादा हैं, एक दिशा हैं। यदि समाज को सामर्थ्यवान बनाना है, तो हमें अपने अंदर राम को जगाना होगा। इस संकल्प के लिए आज से बेहतर दिन क्या होगा।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पहुंचे बरसाना, राधारानी के किए दर्शन

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी हेलिकॉप्टर से माताजी गोशाला पहुंचे। इसके बाद वे रोपवे से श्रीजी मंदिर पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने राधारानी के दर्शन किए। जब राष्ट्र की जिम्मेदारी संभालने वाले कदम भक्ति की भूमि पर पड़ते हैं तो वह मात्र औपचारिक यात्रा नहीं रहती, वह भावनाओं का समर्पण बन जाती है। मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का बरसाना आगमन इसी भावनात्मक क्षण का प्रतीक बना।

सर्वप्रथम हेलिकॉप्टर द्वारा माता जी गोशाला परिसर में उतरे और गौसेवा कर आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात रोपवे के माध्यम से श्रीजी मंदिर पहुंचे और राधारानी की चौखट पर नतमस्तक होकर माथा टेका।मंदिर परिसर में भाजपा के वरिष्ठ नेता नंदन लाल ने पारंपरिक रीति से दुपट्टा उड़ा कर मंत्री का स्वागत किया। इस दौरान चारों ओर 'राधे-राधे' के उद्घोष गूंजे और वातावरण भक्तिरस से सरोबार हो उठा। दर्शन के पश्चात मंत्री कथा स्थल पहुंचे, जहां भागवत कथा का वाचन चल रहा था। यहां उन्होंने पद्मश्री पूज्य रमेश बाबा से आशीर्वाद प्राप्त किया और संक्षिप्त आध्यात्मिक संवाद किया।मंत्री गडकरी ने कहा कि बरसाना केवल भक्ति का धाम नहीं, बल्कि प्रेरणा का केंद्र है। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में भी दिशा देने वाली है। प्रवास के दौरान स्थानीय संत समाज, पदाधिकारियों और भक्तों ने मंत्री जी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

संसद के शीत सत्र में विपक्ष से न हो टकराव, सरकार का 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक का प्रस्ताव

केंद्र सरकार इसके जरिए शीत सत्र की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलाने को लेकर सहमति बनाने की कोशिश करेगी।केंद्र सरकार ने लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहे संसद सत्र को ठीक ढंग से चलाने के लिए सभी विपक्षी दलों को बातचीत के लिए साथ लाने की कोशिश शुरू कर दी है। न्यूज एजेंसी एएनआई के सूत्रों के मुताबिक, इसी कड़ी में संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्र सरकार इसके जरिए शीत सत्र की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलाने को लेकर सहमति बनाने की कोशिश करेगी।शीतकालीन सत्र को लेकर क्या हैं सरकार की तैयारियां?- बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है %परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025%, जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग और उसके नियमन

से जुड़े ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव का प्रस्ताव- सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। सड़कों, कंपनियों और बाजार से जुड़े अहम संशोधन- सरकार कुछ पुराने कानूनों को भी आसान और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने जा रही है। इसमें कई अहम बिल शामिल हैं। 1. नेशनल हाईवेज (संसोधन) बिल- राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने का लक्ष्य। 2. कॉरपोरेट लॉज (संसोधन) बिल, 2025- कंपनियों अधिनियम 2013 और एलएलपी एक्ट 2008 में बदलाव के जरिए %ईज ऑफ डूइंग बिजनेस% को बढ़ावा देना।- 3. सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड (एसएमसी) बिल, 2025- सेबी अधिनियम, डिपॉजिटरी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध विनियमन अधिनियम- इन तीन पुराने कानूनों को समेटकर एक ही %सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड% बनाने का प्रस्ताव। इससे बाजार से जुड़े नियम सरल और एक समान होंगे। मध्यस्थता कानून में भी संशोधन का प्रस्ताव- सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में भी बदलाव लाने पर विचार कर रही है। ज्यादा स्पष्टता के लिए एक समिति को इसकी समीक्षा का काम दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी तथा सेक्शन 34 में संशोधन की आवश्यकता को देखते हुए नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

संपादकीय Editorial

This country also belongs to Muslims...

Dr. Zakir Hussain was a freedom fighter, the third President of India, and the first Muslim President. Dr. Fakhruddin Ali Ahmed and Dr. APJ Abdul Kalam were also elected Muslim Presidents. APJ was also awarded the Bharat Ratna, the country's highest honor. APJ was also awarded the Bharat Ratna, the nation's highest civilian honor. He was one of the scientists who masterminded the five nuclear tests conducted in Pokhran during Atal Bihari Vajpayee's tenure as Prime Minister. Muhammad Hidayatullah was the country's first Muslim Chief Justice. He was later appointed Vice President. When then-President Zail Singh had to travel abroad for health reasons in 1982, Hidayatullah was entrusted with the responsibility of "Acting President." Several Muslim MPs and MLAs also serve in the country. Furthermore, Zafar Saifullah was appointed the country's top bureaucrat, Cabinet Secretary, in 1993-94. The Director of the intelligence agency, the Intelligence Bureau, was also a Muslim. Indeed, both top officials were IAS officers. Many international athletes have been Muslim. Three Bollywood superstars—Shah Rukh Khan, Salman Khan, and Aamir Khan—are also Muslims and enjoy immense popularity in the country. This country is home to over 1.46 billion people. Therefore, a substantial treatise could be written on the honors bestowed upon Muslim figures, the decisive positions held, and who even became ministers and chief ministers. Indeed, in this country of free speech and ideology, there are also figures like Maulana Arshad Madani, a staunch extremist and a denouncer of communal venom, who remains fixated on the "Muslim Vice Chancellor" position. This statement may be excusable, but it is unforgivable and treasonous to say that the country's government wants to take away the very ground from Muslims. Muslims are being discriminated against. Muslim girls should also have separate schools. Madani has defended the "doctor terrorist module" within Al Falah University. He has no concern or concern about the Delhi bombings. Over 3,000 kg of explosives and weapons have been recovered from lockers. Where did they come from, and who brought them? Madani may believe that if any Muslim tries to become prominent, he will end up in jail like Azam Khan. There's no telling how many years he will rot in prison. Azam Khan has served as a minister in the Uttar Pradesh government several times. Does Madani not see this? Does Madani want to turn a blind eye to his alleged crimes and declare the court wrong? These actions are unacceptable and treasonous. Muslim leaders like Madani also believe that the situation for Muslims has worsened since 2014. He is undoubtedly referring to Prime Minister Modi, and he has been labeling him questionable and communal in relation to Muslims. This statement is meant to provoke, incite, and mislead Muslims. Arshad Madani is a very elderly man and the principal of Darul Uloom Deoband. He also heads a faction of the Jamiat Ulema-e-Hind. More or less, he should not protect terrorists. Even their advocacy is treason. The National Investigation Agency, along with other agencies, is investigating. Our courts are just. People like Madani must have received justice! Our Muslim soldiers in the army have also made sacrifices. Muslim leaders like Owaisi are also condemning the terrorism inside Al Falah University. The suicide bombing near the Red Fort killed both Hindus and Muslims. What does Madani want to achieve in these grave moments? It has been revealed that the doctor terrorists had links with Hamas.

A beloved hero with a handsome image, Dharmendra has always remained with the audience.

Today, when we remember Dharmendra, it's not just a memory of a favorite hero, but an era that lived emotions with integrity. Just mentioning Dharmendra's name evokes an entire cultural landscape. He was like a bridge that connected village and city, reality and dream, struggle and peace. Scenes from his films are now a memory of time, but the spirit they embodied will live on. Dharmendra was always a favorite hero of the audience. His simplicity and spontaneity made him popular. Dharmendra left his mark in every role. Dharmendra is the name of that towering personality of Hindi cinema, immortalized in the minds of people by embodying a blend of power and beauty. He was not just an actor, but the embodiment of the spirit of Indian life, which simultaneously breathed the scent of soil, the warmth of love, and the dignity of struggle. His eyes reflected the blue sky of the village. When he appeared on the silver screen, audiences didn't just see him, they felt him within them. This is why he remained eternally popular. It's impossible to pin his acting to a specific era. He represented the generation of the 1960s, which bridged tradition and modernity. He was as much Veeru in "Sholay" as he was the humorous teacher in "Chupke Chupke." When his eyes welled up with pain, audiences could feel their own pain, and when he laughed, it felt as if the entire village had descended on a fair. Dharmendra's acting style was devoid of any artificiality. He suited every look and left an impact. His face became a symbol of Indian masculinity, but that masculinity stemmed not from arrogance but from the compassion of protection. He earned the title of "He-Man" because he embodied the image of a true hero. There was no other hero with a handsome figure like his. His handsome figure and muscular physique were celebrated internationally, but he never boasted of it. Dharmendra rose from the soil of Punjab and captured the hearts of people across India. He moved from the fields of his villages to the bright streets of Mumbai, but deep inside, he remained the same simple farmer. Simplicity was his greatest asset. He touched every form of cinema—action, romance, comedy, tragedy—but everywhere he remained Dharmendra. He made acting a medium of self-expression, not a tool for show. Therefore, his films not only entertained but also shared the essence of life. From the sad lover in "Anupama" to the idealistic hero in "Satyakam," from Veeru in "Sholay" to the humorous teacher in "Chupke Chupke," Dharmendra lived every color of life. The way he portrayed a man torn between ideals and reality in "Satyakam" is one of the most sensitive performances in Indian cinema. The film did not perform well, but it left a deep impact on people. In this film, Dharmendra was portrayed as a philosopher who searches for truth between the two masks of society. His life is no less than a film story. In his early days, he faced the heat of struggle that could have scorched anyone, but he transformed it into penance. Just as the roots of a tree go deep and give it stability, Dharmendra's inner values ??provided him with stability. He never let success go to his head, nor did failure weigh on his mind. His romantic roles possessed an enduring sensitivity. His face aged with time, but its aura never faded. That face possessed the exhaustion of a farmer and the radiance of a poet. He was one of the few actors of his time who connected acting with human morality. He sought love even amidst violence and maintained composure even in the midst of love. As cinematic values ??changed over time, Dharmendra chose to step back and observe. He may have gradually faded from the screen, but he remained within the audience. Today, when we remember Dharmendra, it's not just remembering a favorite hero, but an era that lived emotions with honesty. Just mentioning Dharmendra's name conjures an entire cultural landscape. He was like a bridge that connected village and city, reality and dream, struggle and peace. The scenes from his films are now a memory of time, but the spirit within them will live on. His voice will still resonate within us like a radio. He convinced us that simplicity is the greatest attraction. Dharmendra was not just a hero of Indian cinema, but a hero of the Indian heart. He was the pulsating romance of Hindi cinema. When he appeared on screen, it felt as if life was speaking in its most natural and lively form. An entire cultural era seemed to be moving behind him. His face did not have the artificial glow of a hero, but the radiance of a man who struggles with life and then smiles. Every frame of his is filled with not only love and charm but also the warmth of intimacy. He made an impact in every role—whether that of a bandit, a lover, or a police officer. He was known as both an action hero and a romantic hero. He maintained his utility at all times. There was no one like him.

Chief Minister Yogi Adityanath announces the completion of the grand temple construction.

When the saffron flag flies atop the divine peak, it will not be a sign of victory. It will symbolize the unwavering devotion to sacrifice, austerity, struggle, patience, compassion, and truth, lived and preserved by millions for generations. The flag will convey the message that India stands firm on its values ??and is building its future on these foundations. The Shri Ram Janmabhoomi Temple is not merely a collection of stones. The grand temple of Lord Shri Ram in Shri Ayodhyadham. The flag hoisting ceremony on the summit of the Shri Ram Janmabhoomi Temple in Shri Ayodhyadham today is not merely a celebration of the temple's completion, but also a proclamation of the re-establishment of eternal Indian faith, nationalism, and cultural identity. This occasion is also special because the resolve, once merely emotional, has now been transformed into architecture. The place that was the scene of centuries of struggle has now become a center of reverence, pride, and national consciousness. The wait of millions of devotees has been fulfilled, and this fulfillment is imbued with the fragrance of austerity, sacrifice, and collective resolve. World history has witnessed countless struggles, empires have been born and destroyed, but perhaps no land has waited so long, remaining so steadfast in the truth of its deity. The struggle for Shri Ram's birthplace was not merely for justice; it was a great sacrifice for the revival of the nation's soul. No section of society was left untouched in this centuries-long endeavor. Sanyasis, saints, priests, Nagas, Nihangs, politicians, thinkers, scholars, ordinary householders, and ascetics living in forests and caves—all rose above the boundaries of caste, sect, or method of worship and dedicated themselves to Ram's work. The hoisting of the flag at the magnificent temple of Lord Shri Ram in Shri Ayodhya Dham is not merely the completion of a temple's construction, but the culmination of long-accumulated emotions, waits, struggles, and devotion. The divine coincidence of Vivah Panchami makes it even more sacred. It was on Margashirsha Shukla Panchami that Lord Shri Ram and Mother Janaki were married. This marriage symbolizes not only marital bliss but also the unity of religion and nature. Today, hoisting the flag on this very date not only upholds the tradition but also conveys the message that the light of religion always triumphs and the values ??of Ramrajya are timeless. Maharishi Valmiki said, "Ramo Vigrahavan Dharmah," meaning Lord Ram is the embodiment of religion. The flag hoisting ceremony is not just a day, a ritual, or a moment of celebration. It is a historic juncture where millennia of cultural memory, five decades of struggle for justice, the penance of saintly traditions, the patience of millions of devotees, and the collective consciousness of the entire nation converge to proclaim the establishment of truth, the revival of religion, and the completion of the construction of a grand temple at the birthplace of Shri Ram. The way Ayodhya has attracted the world following the grand consecration of the child idol of Shri Ram Lalla, which took place on the Dwadashi of the Shukla Paksha of the month of Paush, January 22, 2024, at the Abhijit Muhurta, by the hands of the respected Prime Minister Narendra Modi, the charioteer of India's Amritkaal, is unprecedented. In just one and a half years since the consecration, the number of devotees and tourists visiting Ayodhya from India and abroad has surpassed 400 million. Hotels and dharamshalas are consistently full, and new employment and business opportunities in the local economy have grown rapidly. Ayodhya today is attracting the world with a balanced approach to both faith and economy. People who used to visit only for pilgrimage are now coming to explore the vast world of culture, architecture, spirituality, tourism, and heritage. The Prime Minister envisioned Ayodhya Dham to be grand, befitting the splendor of the Treta Yuga. Under his guidance, Ayodhya has become both divine, grand, and innovative during this period. Roads, ghats, pathways, security systems, and public amenities have been developed. The Maharishi Valmiki International Airport, the Rampath, the Dharmapath, the Bhakti Path, the Janmabhoomi Path, and the restoration of the Saryu River have become the cornerstones of this transformation. Projects worth approximately 50,000 crore rupees are reshaping Ayodhya. The Shri Ram Janmabhoomi Temple construction project has also made history. It is the first religious project in the world to receive the Sword of Honor from the British Safety Council and the highest safety award from India's National Safety Council. This demonstrates that the construction was carried out not only with faith but also in accordance with global engineering and safety standards. The entire complex spans 2.7 acres, encompassing a magnificent built-up area of ??approximately 57,400 square feet. The three-story temple, 360 feet long, 235 feet wide, and 161 feet high, boasts 20-foot-high floors on each floor, a total of 366 pillars, five pavilions, 12 grand gateways, and the distinctive Nagara style of architecture with intricate craftsmanship, all testify to its unparalleled grandeur.

मुरादाबाद में लूट की बड़ी वारदात: पीएनबी की एटीएम मशीन उखाड़कर ले गए बदमाश, पुलिस और बैंक अफसरों में हड़कंप

मुरादाबाद में पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को बदमाश लूटकर ले गए। वारदात से पहले उन्होंने सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे कर दिया था।

सुबह घटना पता चलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है।मुरादाबाद में लोको सेड पुल के पास देर रात बदमाश पंजाब नेशनल बैंक की एटीएम मशीन उखाड़कर ले गए। वारदात का पता सुबह लगा तो हड़कंप मच गया। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।वारदात को अंजाम देने से पहले चोरों ने एटीएम पर लगे सीसीटीवी कैमरे को स्प्रे कर धुंधला कर दिया। जिससे उनकी पहचान नहीं हो सके। बैंक और पुलिस अधिकारियों में इस घटना के बाद हड़कंप मचा हुआ है।

एटीएम में कितना कैश भरा था इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। इसके साथ ही घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। अधिकारियों के अनुसार इससे पहले बदमाशों ने गलशहीद इलाके में भी एक एटीएम मशीन तोड़ने की कोशिश की थी। इसके बाद उन्होंने लोको सेड पुल के पास स्थित एटीएम को निशाना बनाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बदमाश एटीएम को उखाड़कर वाहन में लादकर ले गए।

पूरे क्षेत्र में नाकेबंदी की गई है। मौके पर एसपी सिटी समेत कई अधिकारी पहुंचे हैं। बैंक प्रबंधन से मशीन में मौजूद नकदी का पूरा ब्योरा मांगा गया है। पुलिस का कहना है कि फुटेज और तकनीकी सर्विलांस की मदद से जल्द ही आरोपियों तक पहुंचा जाएगा।

मुरादाबाद में चार और पांच जून को होंगे सामूहिक विवाह, स्थल का किया जा रहा चयन, शासन को भेजी रिपोर्ट

मुरादाबाद में सामूहिक विवाह के लिए चार और पांच जून की तारीख तय की है। दोनों दिनों में 567 बेटियों का सामूहिक विवाह कराया जाएगा।मुरादाबाद डीएम ने प्रदेश सरकार की योजना के तहत सामूहिक विवाह के लिए चार और पांच जून की तिथियां तय की हैं। उन्होंने इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी है। जिला समाज कल्याण अधिकारी सामूहिक विवाह के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में एक स्थल का चयन करेंगी।जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन ने बताया कि चार दिसंबर को सर्किट हाउस के पीछे बुद्धि विहार में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की बेटियों की शादियां होंगी। डीएम ने पर्यवेक्षण के लिए एसडीएम सदर और ठाकुरद्वारा को अधिकारी बनाया है।कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अपर नगर आयुक्त, बीडीओ मुरादाबाद और बीडीओ भगतपुर होंगे।

इसी प्रकार पांच जून को कुंदरकी, कांठ और बिलारी की बेटियों का सामूहिक विवाह कराने के लिए स्थान का चयन किया जा रहा है। जिले में 567 बेटियों का सामूहिक विवाह आयोजित होंगे। प्रदेश सरकार ने प्रति विवाह की रकम बढ़ाकर एक लाख कर दी है। इस मामले में ब्लॉक स्तर पर पात्रों का चयन किया गया है। जांच में घिरे एडीओ के बारे में निर्णय का इंतजार- जिला समाज कल्याण विभाग की तरफ से जनवरी में हुईं शादियां विवादों के घेरे में आ गई हैं। एआर कोआपरेटिव अमरेंद्र कुमार ने भगतपुर टांडा ब्लॉक की जांच की थी। जांच में आया कि 22 बेटियों की शादी दूसरी बार हुई है। इस मामले में जांच अधिकारी ने एडीओ प्रशांत और ब्लॉक के कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी है लेकिन अभी शासन से कोई निर्णय नहीं आया है। अभी सामूहिक विवाह का कार्यक्रम पूरा होने के बाद अन्य ब्लॉकों की शादियों की भी जांच की जाएगी। जनवरी में 3400 जोड़ों की शादियां हुई थीं।

एसआईआर... अब अफवाहों पर निगरानी के लिए सोशल मीडिया पर नजर

मुरादाबाद। विधानसभा चुनाव के लिए चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) में निर्वाचन आयोग पर अनर्गल आरोप लगाने और अफवाह फैलाने वालों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। जिले में सोशल मीडिया व लोकल ग्रुपों पर भी नजर रखी जाएगी। वहीं प्रशासन मतदाताओं का एसआईआर फार्म भरवाने में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए भी सक्रिय रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अफवाहों पर सख्ती करने के आदेश के बाद स्थानीय स्तर पर जिलाधिकारी भी सक्रिय हो गए हैं।

उन्होंने इस प्रक्रिया से संबंधित अधिकारियों को अफवाह फैलाकर मतदाताओं को भ्रमित कर प्रक्रिया बाधित करने वालों पर सख्ती करने के लिए कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी करने के लिए निर्देश दिया है। साथ ही फार्म भरने में मतदाताओं की समस्या दूर कराने के लिए बीएलओ को गंभीरता दिखाने, संबंधित बूथों पर भी मौजूदगी और संबंधित क्षेत्र के बीएलओ का मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य कर दिया है।

जिससे यदि मतदाताओं को दिक्कत हो तो वह अपने विधानसभा के भाग क्रमांक व बूथ के अनुसार बीएलओ से संपर्क कर अपनी समस्या का समाधान करा सकें।भाजपा नेता की शिकायत पर नहीं हुआ समाधान, जिला निर्वाचन अधिकारी से मिले

मुरादाबाद,= भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय मीडिया सह प्रभारी निमित जायसवाल ने 17 नवंबर को 2003 की मतदाता सूची के पीडीएफ ऑनलाइन अपलोड करने में हुई विसंगति से मतदाताओं को हो रही समस्या की शिकायत पिछले दिनों अपर जिलाधिकारी प्रशासन-उप जिला निर्वाचन अधिकारी से की थी। लेकिन समस्या का समाधान न होने पर उन्होंने सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी-जिला मजिस्ट्रेट से मामले में न्याय की गुहार लगाई है। जिला निर्वाचन अधिकारी-जिला मजिस्ट्रेट को दिए पत्र में उन्होंने बताया कि मुरादाबाद पश्चिम विधानसभा के बूथ संख्या- 61 मतदान केंद्र नेहरू युवा केंद्र कक्ष-1 दीनदयाल नगर की मतदाता सूची पीडीएफ - 2003 जो केंद्रीय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर है। उसमें प्रथम पृष्ठ पर भाग संख्या 61 है लेकिन अंदर के सभी 39 पृष्ठ मानसरोवर कन्या इंटर कालेज के बूथ के हैं। इसकी वजह से मतदाता परेशान हैं। सही मतदाता सूची की पीडीएफ अपलोड करा दें। जिससे मतदाताओं को फार्म भरने में आसानी हो। भाजपा नेता का कहना है कि जिला निर्वाचन अधिकारी-जिलाधिकारी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। फिलहाल वह बूथ संख्या 61 की मैनुअल मतदाता सूची सदर तहसील में एसडीएम सदर से ले लें।

परिवार से नहीं मिले आजम, अब्दुल्ला से मुलाकात कर वापस लौटे

रामपुर। सात साल की सजा काट रहे सपा नेता आजम खां से मिलने के लिए उनकी पत्नी डॉ.तजीन फात्मा, बड़े बेटे अदीब आजम और बहन निकहत पहुंचीं लेकिन आजम से उनकी मुलाकात नहीं हो सकी, जिस पर वह जेल में बंद अब्दुल्ला आजम से मिलकर ही वापस लौट गए।दो पैन कार्ड मामले में सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम इन दिनों रामपुर जेल में बंद हैं। उन्हें सात साल की सजा हुई है।

वह इन दिनों सजा भुगत रहे हैं। जेल में बंद सपा नेता किसी से मुलाकात नहीं कर रहे हैं। हालांकि दोनों एक ही बैरक में हैं। लेकिन आजम किसी से नहीं मिल रहे हैं।मंगलवार को सपा नेता आजम खां की पत्नी डॉ.तजीन फात्मा, बड़े बेटे अदीब आजम और बहन निकहत मिलने के लिए जेल पहुंचे। जेल सूत्रों के अनुसार सपा नेता ने किसी से भी मिलने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद तीनों लोग अब्दुल्ला आजम खां से मिले और उनका हाल जाना। करीब आधे घंटे की मुलाकात के बाद तीनों लोग आजम से बिना मिले ही वापस लौट गए। जेल अफसरों का कहना था कि सपा नेता ने किसी से भी मुलाकात न करने की बात कही है।

जीएसटी: खाने-पीने की चीजों के दाम जस के तस, बर्तनों के बढ़े, दो माह बाद भी नई दरों का जमीन पर नहीं दिखा असर

जीएसटी नईं दरें लागू होने के दो माह बाद भी प्रतिदिन इस्तेमाल होने वाले सामानों पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। दुकानदारों के मुताबिक बर्तन मार्केट में इसका असर दिख रहा है।जीएसटी की नई दरें लागू हुए दो महीने बीत गए लेकिन अभी तक रोजमर्रा में उपयोग किए जाने वाले सामान की दरों में बदलाव नजर नहीं आ रहा है। लोगों को पुरानी जीएसटी के अनुसार ही बाजार में सामान मिल रहा है।ऐसे में लोगों को कुछ सामानों के ज्यादा पैसे चुकाने पड़ रहे है। कटरा नाज, बर्तन बाजार, चौमुखा पुल समेत अन्य बाजार में दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले सामान पुराने दाम पर ही मिल रहे हैं। ग्राहकों को जीएसटी का लाभ नहीं मिलता दिखाई दे रहा है।पुराने दाम पर मिल रहे दूध, पनीर और बिस्किट कटरा नाज बाजार में स्थित प्रकाश नारायण एंड संस के संचालक राकेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि वनस्पति तेल 206 रुपये प्रति किलो है। इसके दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जीएसटी की दरों को कम करने की बात पर उन्होंने कहा कि एमआरपी पर ही सामान बेचे जाएंगे। अगर तेल के कैन पर एमआरपी कम लिखकर आता है कम दाम में ही उसे बेचा जाएगा। चौमुखा पुल के पास स्थित आरके स्टोर संचालक अविनाश गुप्ता का कहना है कि प्रतिदिन उपयोग किए जाने वाले सामान के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सैम्पू, अरहर की दाल, बिस्किट, बटर और पनीर उसी दाम पर बेचा जा रहा है। इसके साथ ही साबुन और सर्फ में के दाम में कोई बदलाव नहीं है। सामान पहले अब अरहर दाल 120 120 चीनी 45 45 दूध 75 75 वनस्पति तेल 206 206 घी 650 650 (रुपये प्रति किलो)

बर्तनों के दाम बढ़े- बर्तन बाजार के बर्तन कारोबारियों का कहना है कि जीएसटी की दरों में बदलाव होने के बाद से स्टील, कॉपर और ब्रास के दाम बढ़ गए हैं। क्योंकि कच्चे माल पर जीएसटी 18 प्रतिशत और तैयार माल पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया है। इससे जीएसटी में 13 प्रतिशत का अंतर है। इससे कारोबार करने में परेशानी होती है। बर्तन बाजार में स्थित श्री साई मेटल के संचालक सुनील अग्रवाल ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद से प्रति किलो के पीछे स्टील 20 रुपये, कॉपर 100 रुपये और ब्रास 50 रुपये महंगा हुआ है। स्टील के बर्तन 350 रुपये प्रति किलो बेचे जा रहे हैं। वहीं पीतल के बर्तन 600 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं। इसके साथ ही मूर्तियों के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं। बर्तन पुरानी नई- स्टील 240 260 कापर 850 950 पीतल 500 550 अभी हमारे पास इस तरह की कोई शिकायत नहीं आई है। बिक्री पर खास नजर रखी जा रही है। - आरए सेठ, अपर आयुक्त ग्रेड-2 कच्चे माल और उससे तैयार बर्तन के जीएसटी में 13 प्रतिशत का अंतर है। व्यापारी लाभ लेने के बाद ही बर्तन बेचते हैं।

क्योंकि जीएसटी रिटर्न होने में काफी समय लग जाता है। इसके कारण बर्तनों के दाम बढ़े हुए हैं। -अरविंद कुमार अग्रवाल (जोनी), प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडलकच्चे माल पर जीएसटी पांच प्रतिशत कम की जाए, तब जाकर बर्तन सस्ते होंगे। अधिक जीएसटी पर कच्चा माल खरीदकर कम जीएसटी पर बेचने में बर्तन में व्यापारियों को नुकसान होगा। -सुनील अग्रवाल, महानगर महामंत्री, उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल बाजार में नया माल आना शुरू हो गया है। हालांकि, पुराने माल पर पुरानी एमआरपी है। नए माल पर कंपनी की ओर से नई एमआरपी दी जा रही है। इसके अनुसार फूटी समेत कई सामान पर एक से चार रुपये तक दाम कम हुए हैं। - सुप्रीत खन्ना, प्रदेश महासचिव, उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल खाने के तेल के दाम न तो बढ़ाए गए हैं और न ही घटे हैं। जो दाम दो महीने पहले था वही अब भी। जीएसटी पर इसका कोई असर नहीं है।

वनस्पति तेल 206 रुपये पहले था और अब भी इसका दाम यही है। -राजीव कुमार अग्रवाल, स्टोर संचालक नमकीन, बिस्किट अभी पुराने एमआरपी पर बाजार में है। नई एमआरपी आने के बाद ही दाम घटाए जाएंगे। बताया जा रहा है कि पैकेट में बिस्किट की संख्या बढ़ा दी गई है। जल्द नए एमआरपी पर सामान मिलेंगे। - वीरेंद्र कुमार, स्टोर संचालक खाद्य सामग्री के लिए आने वाले सामान एमआरपी मूल्य पर बेचे जा रहे हैं। शैम्पू, दाल, चीनी के दाम अभी कम नहीं हुए हैं। इसके अलावा सर्फ की कुछ कंपनियों ने दाम घटाने की बजाए बढ़ा दिए हैं। - प्रखर अग्रवाल, स्टोर संचालक

संक्षिप्त समाचार

संभल हिंसा का एक साल: हिंदू पक्ष का दावा पेश होने के बाद शुरू हुआ था जामा मस्जिद का सर्वे, हो गया था बवाल

संभल में पिछले साल 24 नवंबर को भीड़ जामा मस्जिद तक पहुंचना बड़ी चूक साबित हुई थी। भीड़ ज्यादा हुई और बवाल का रूप ले लिया। इससे चूक से अधिकारियों ने सबक लिया और सुरक्षा को मजबूत किया है। जामा मस्जिद के नजदीक ही सत्यव्रत पुलिस चौकी का निर्माण किया गया है। हिंदूपुरा खेड़ा और दीपा सराय में पुलिस चौकियों का निर्माण किया है। संभल में जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष ने चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए 19 नवंबर को दावा पेश किया था। हिंदू पक्ष का कहना था कि मंदिर पृथ्वीराज चौहान के शासन से पहले बना था, जबकि मस्जिद मुगलकाल में मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी। हिंदू पक्ष द्वारा दावा पेश करने के दिन ही न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर दिया था। उसी दिन कोर्ट कमिश्नर ने मस्जिद पहुंचकर सर्वे भी किया था। सर्वे पूरा नहीं होने के चलते कोर्ट कमिश्नर लौट गए थे। इसके बाद वह 24 नवंबर की सुबह पहुंचे थे। इस सर्वे के दौरान ही बवाल हुआ था। हालांकि मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद टीले पर बनी है। किसी मंदिर को तोड़कर नहीं बनाई गई है।एक वर्ष में संभल की चर्चा के प्रमुख कारण- 19 नवंबर को सर्वे का आदेश हुआ। 24 नवंबर को बवाल हुआ बवाल में विदेशी हथियार चलाए गए। बवाल की साजिशकर्ताओं में शारिक साटा और उसका गिरोह सामने आया। शारिक साटा का कनेक्शन दाऊद इब्राहिम और आईआएआई से होने की बात सामने आई। संभल के सांसद पर बिजली चोरी में 1.91 करोड़ का जुर्माना लगा। संभल सांसद के आवास में अवैध निर्माण में कार्रवाई। खग्गू सराय में 46 वर्ष बाद कार्तिकेय महादेव मंदिर के कपाट खुले सरायतरीन में राधा कृष्ण मंदिर में पूजा शुरू हुई। 68 तीर्थ और 19 कूपों को तलाश कर संवारने का काम शुरू कराया गया।भविष्य में चूक न हो, इसलिए मजबूत की शहर की सुरक्षा संभल में पिछले साल 24 नवंबर को भीड़ जामा मस्जिद तक पहुंचना बड़ी चूक साबित हुई थी। भीड़ ज्यादा हुई और बवाल का रूप ले लिया। इससे चूक से अधिकारियों ने सबक लिया और सुरक्षा को मजबूत किया है। जामा मस्जिद के नजदीक ही सत्यव्रत पुलिस चौकी का निर्माण किया गया है। हिंदूपुरा खेड़ा और दीपा सराय में पुलिस चौकियों का निर्माण किया है।इन इलाके में ही भीड़ एकत्र हुई और जामा मस्जिद तक पहुंची। इसकी भनक पुलिस को नहीं लगी। क्योंकि इन इलाके में चेक पोस्ट तक नहीं था। अब पुलिस चौकियां बनाई गई हैं। रायसत्ती पुलिस चौकी को थाना बना दिया गया है। इससे भी शहर में सुरक्षा मजबूत हुई है।एसपी का कहना है कि जिले में दो थाने और 33 पुलिस चौकियां और पांच पोस्ट बनाए गए हैं। संभल शहर की सीमाओं पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। शहर के अंदर भी पूरी निगरानी है। बवाल के बाद शहर में चौकसी बढ़ाई गई है। जिससे किसी भी हलचल का तत्काल पता किया जा सके।एटीएस यूनिट के कार्यालय के लिए जमीन तय- एटीएस की यूनिट संभल में अस्थाई तौर पर चल रही है। स्थायी कार्यालय बनाने के लिए हयातनगर थाने से करीब दो किलोमीटर दूरी पर जमीन चिह्नित कर ली गई है। जल्द ही यूटिन के कार्यालय का काम शुरू किया जाएगा। एटीएस की यूनिट भी बवाल के बाद ही स्थापित करने का निर्णय शासन ने लिया है। क्योंकि संभल में आतंकी गतिविधियों के कई मामले प्रकाश में आ चुके हैं।इसको देखते हुए यह निर्णय लिया गया। इससे भी सुरक्षा को मजबूती मिली है। एसपी ने बताया कि जमीन चिह्नित कर ली गई है। जल्द ही यूनिट के कार्यालय का निर्माण भी शुरू हो जाएगा। अभी अस्थायी तौर पर कार्यालय बनवा दिया गया है।कड़ी सुरक्षा, अब जिले में तीन आईपीएस, सिटी मजिस्ट्रेट का पद स्वीकृत - जिले में इस समय तीन आईपीएस अधिकारी हैं। एसपी के अलावा अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा और सहायक पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार भाटी। पहली बार ऐसा है कि जिले में तीन आईपीएस अधिकारियों को तैनाती मिली है। इसके अलावा सिटी मजिस्ट्रेट का पद भी बवाल के बाद ही स्वीकृत हुआ है। सुधीर कुमार वर्तमान में सिटी मजिस्ट्रेट हैं।इस सप्ताह जारी हो सकता है शारिक साटा के खिलाफ परमानेंट वारंट- 24 नवंबर को हुए बवाल के मास्टरमाइंड शारिक साटा के खिलाफ पुलिस परमानेंट वारंट जारी कराने की प्रक्रिया को बढ़ा रही है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि इसी सप्ताह में परमानेंट वारंट जारी हो जाएगा। इसके बाद गिरफ्तारी के लिए पत्राचार शुरू किया जाएगा। इंटरपोल द्वारा शारिक साटा की गिरफ्तारी होनी है।एसपी के अनुसार वह दुबई में रहकर अपने गिरोह को चला रहा है। शारिक साटा का गिरोह देश में वाहन चोरी करता है और नेपाल तक वाहनों को पहुंचाने का काम करता है। ो गिरफ्तार कर संभल लाया जा सके।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हनीट्रैप में फंसा ज्वैलर्स का बेटा, जहर पीकर दे दी जान... मोबाइल में मिले मैसेज, पिता ने दर्ज कराई FIR

हनीट्रैप में फंसे ज्वैलर्स के बेटे ने आत्महत्या कर ली। ज्वैलर्स को इस बात की जानकारी तब हो सकी, जब उन्होंने बेटे का मोबाइल देखा। मोबाइल में मैसेज मिलने के बाद उन्होंने थाना सिकंदरा में मुकदमा दर्ज कराया है।

आगरा के थाना सिकंदरा के अटूस निवासी ज्वैलर्स राजा उर्फ प्रिंस के आत्महत्या के 36 दिन बाद दुष्कर्म के मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। पिता मुकेश ने बताया कि बेटा राजा उर्फ प्रिंस उनके साथ रायभा स्थित ज्वैलर्स की दुकान चलाता था।

19 अक्तूबर को राजा ने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था। इलाज के लिए दिल्ली ले जाते समय बेटे की मौत हो गई थी। राजा के पिता मुकेश वर्मा ने 24 नवंबर को जब बेटे का मोबाइल चेक किया तो उसमें 19 अक्तूबर को कीर्ति द्वारा 53 कॉल और उसके साथ ब्लैकमेलिंग में शामिल साथी तरुण के 46 कॉल देखे। उसके साथ ही तरुण के एक युवती के साथ उनके घर आने की पुष्टि हुई। मुकेश वर्मा ने बताया कि कीर्ति ने उनके पुत्र को प्रेमजाल में फंसा कर अश्लील फोटो खींच लिए थे। इनके दम पर वह दुष्कर्म के मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी देती थी।

कीर्ति ने तरुण के साथ मिलकर राजा से काफी रुपये ऐंठ लिए थे। मुकेश के अनुसार बेटे राजा ने एक बार कीर्ति और तरुण को रुपये न देने पर मारपीट करने की जानकारी दी थी। उस समय उन्होंने बेटे का भविष्य और युवती द्वारा झूठे मुकदमे में फंसाने के डर से विरोध नहीं किया था। उनके द्वारा दिए गए साक्ष्य के आधार पर सिकंदरा थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

गंभीर बीमारियों में बेअसर हो रही हैं ये 25 एंटीबायोटिक दवाएं, चिकित्सकों ने बताई हैरान करने वाली वजह

जुकाम-खांसी और गले में खराश होने पर झट से एंटीबायोटिक दवा खाना, बीमारी में दवा का असर जल्द हो इसके लिए डॉक्टरों की ओर से अनावश्यक रूप से एंटीबायोटिक देना एक नए खतरे को जन्म दे रहा है।आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी और फार्माकोलॉजी विभाग की ओर से एंटीबायोटिक सप्ताह के समापन पर आयोजित सेमिनार में विशेषज्ञों ने एंटीबायोटिक के रेजिस्टेंट (बैक्टीरिया को मारने में अक्षम) और दुष्प्रभाव पर चिंता जताई। डॉक्टरों ने बताया कि करीब 25 एंटीबायोटिक दवाएं गंभीर बीमारियों में बेअसर हो रही हैं। इससे गंभीर रोगों का इलाज मुश्किल हो रहा है।माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंकुर गोयल ने बताया कि जिले के अधिकांश चिकित्सक विभिन्न रोगों में करीब 35 एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। इनमें से मर्ज ठीक नहीं होने या फिर देर से प्रभावी होने पर माइक्रोबायोलॉजी विभाग में कल्चर की जांच कराई गई। इसमें करीब 25 एंटीबायोटिक दवाएं बेअसर या 10-20 फीसदी ही प्रभावी मिलीं। इनमें टायफायड, निमोनिया, पेशाब में संक्रमण समेत कई अन्य संक्रमण में उपयोग की जाने वाली एंटीबायोटिक हैं।माइक्रोबायोलॉजी विभाग के डॉ. विकास गुप्ता ने बताया कि बिना कल्चर की जांच कराए ही एंटीबायोटिक दवाएं मरीजों को दी जा रही हैं। नई एंटीबायोटिक दवाओं पर शोध नहीं हो रहे हैं और एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट होने के कारण ये सीमित होती जा रही हैं। ये दवाएं बेअसर होने से आईसीयू के मरीजों को बचाना और मुश्किल हो जाएगा। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने सेमिनार का उद्घाटन किया। फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अल्का यादव, बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. कामना सिंह, ईएनटी रोग के डॉ. अखिल प्रताप सिंह, डॉ. दिव्या श्रीवास्तव, डॉ. गीतू सिंह, डॉ. सपना गोयल, डॉ. प्रज्ञा शाक्य, डॉ. गौरव, डॉ. पारुल गर्ग ने भी व्याख्यान दिए।

अस्पतालों में संक्रमण से भी बढ़ा एंटीबायोटिक का उपयोग- माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. आरती अग्रवाल ने कहा कि अस्पतालों में संक्रमण बढ़ने से भी एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बढ़ा है। ऐसे में ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू और वार्ड में तय दूरी पर बेड हों, कर्मचारी ग्लव्स पहनें और मास्क लगाकर रहें। दूसरे मरीज के इलाज से पहले हाथों को साफ रखें। ग्लव्स बदलें और अन्य सावधानियां बरतें। एंटीबायोटिक की ओवरडोज से भी परेशानी- एंटीबायोटिक की ओवरडोज से पेट की बीमारियां बढ़ रही हैं। इससे पेट के अच्छे बैक्टीरिया भी नष्ट हो रहे हैं। इससे दस्त, पेट में दर्द की परेशानी हो रही है। एलर्जी की दिक्कत बनने से शरीर पर चकत्ते भी हो रहे हैं। बार-बार और लंबे समय तक दवाओं के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। मुंह और गुप्तांग में फंगल इंफेक्शन का भी खतरा रहता है। इन बातों का रखें ध्यान-- जुकाम-खांसी समेत किसी परेशानी में खुद एंटीबायोटिक दवा न लें। - डॉक्टर गंभीर मरीजों को एंटीबायोटिक देने से पहले कल्चर जांच कराएं। - बैक्टीरियल संक्रमण होने पर मरीज को पहले फर्स्ट लाइन की एंटीबायोटिक दें। - मरीजों को लंबे समय तक एंटीबायोटिक दवाएं न दें, तय कोर्स तक ही दें। - मर्ज पर जल्दी असर के फेर में झोलाछाप से इलाज कतई न कराएं। - आईसीयू, ओटी और वार्ड में एंटी बैक्टीरियल सिस्टम डेवलप करें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

संध्या आरती के बाद मंदिर से लड्डू गोपाल की बेशकीमती मूर्ति चोरी, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में संध्या आरती के बाद मंदिर से लड्डू गोपाल जी की अष्टधातु प्रतिमा चोरी कर ली गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है।आगरा के थाना एत्माद्दौला क्षेत्र

के नवलगंज स्थित एक मंदिर में सोमवार शाम संध्या आरती के बाद लड्डू गोपाल जी की अष्टधातु की प्रतिमा चोरी होने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।सीता नगर निवासी एवं मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने बताया कि शाम करीब 7 बजे संध्या आरती सम्पन्न हुई थी। इसी दौरान किसी अज्ञात चोर ने मौके का फायदा उठाकर करीब 10 किलो वजनी अष्टधातु की लड्डू गोपाल प्रतिमा को चुरा लिया। करीब 8 बजे जब मंदिर के पुजारी कलुआ राम ने परिसर में पहुंचकर देखा तो प्रतिमा गायब मिली।घटना की जानकारी मिलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई। ट्रस्ट की सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

प्रॉपर्टी-किराएदारी और पड़ोसी से विवाद...कातिल को थी घर के अंदर की पूरी जानकारी; मां-बेटी के कत्ल की कहानी

गोरखपुर के शाहपुर थाना इलाके के घोषीपुरवा में हथौड़े से सिर कूंचकर मां-बेटी की हत्या कर दी गई। शांति देवी (75) और उनकी बेटी विमला जायसवाल (55) सोमवार की रात अलग-अलग कमरों में मृत मिलीं। विमला के शव के पास से खून से सना हथौड़ा बरामद हुआ है।गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के गीता वाटिका के बगल स्थित घोषीपुरवा मोहल्ले में सोमवार को हुई मां-बेटी की हत्या की असल वजह सामने नहीं आई है लेकिन प्रॉपर्टी, किराएदारी और पड़ोसी से विवाद में वारदात का संदेह है। पुलिस इन तीनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। विमला के सिर पर हथौड़े से वार किया गया, शरीर पर भी चोट के निशान मिले हैं। शांति देवी के शरीर पर भी प्रहार के निशान मिले हैं। दोनों के शव अलग-अलग कमरों में मिले, इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्यारे को घर का अंदरूनी ढांचा अच्छी तरह पता था।शांति देवी (75) और उनकी अविवाहित बेटी विमला (55) वर्षों से इसी मकान में अकेले रह रही थीं। अलग-अलग कमरों में खून से दोनों के शव मिलने के बाद मोहल्ले में सनसनी फैल गई। पुलिस, क्राइम ब्रांच, फॉरेंसिक टीम से लेकर डीआईजी और एसएसपी तक घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं।मूलरूप से पीपीगंज निवासी शांति देवी के पति का करीब 30 साल पहले निधन हो चुका था। पति की मौत के बाद शांति देवी दोनों बेटियों के साथ रह रहीं थीं। बड़ी बेटी सुशीला की शादी जौनपुर में हुई, वह वर्तमान में परिवार के साथ लखनऊ में रहती है। छोटी बेटी विमला ने शादी नहीं की और सात वर्षों से वह गीता वाटिका के पास स्थित रमा फर्नीचर में बतौर सेल्सगर्ल का काम कर रही थी। मोहल्ले में उनकी छवि सौम्य और मददगार महिला की थी।किसने और क्यों की हत्या? हत्या का शक प्रॉपर्टी विवाद पर ज्यादा है। दो मंजिला घर, किराएदारों से होने वाली आय और मकान का स्वामित्व। इन्हीं मुद्दों पर विवाद की चर्चा लंबे समय से चल रही थी। किराएदारों, पड़ोसियों और आसपास के संदिग्ध लोगों से पूछताछ जारी है। खोजी कुत्ता टोनी को बुलाया गया जिसने घर से निकलकर गली की ओर रास्ता पकड़ा।इससे माना जा रहा है कि हत्यारा पैदल ही भागा होगा। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ साल पहले एक प्रापर्टी डीलर ने मकान का एग्रीमेंट कराया था। इसके बाद विवाद शुरू हो गया था। पुलिस अब उस प्रापर्टी डीलर व किराएदार रखने वाले की भी तलाश में जुटी है।शांति के पति राम प्रवेश ने की थीं दो शादियां, प्रॉपटी डीलर से था विवादशांति देवी की हत्या की जांच में पता चला कि उनके पति रामप्रवेश ने दो शादियां कीं थीं और दोनों पत्नियों से दो-दो बेटियां थीं। पहली पत्नी शांति देवी ग्राउंड फ्लोर पर रहती थीं जबकि दूसरी पत्नी अपनी बेटियों खुशबू और डॉली के साथ पहली मंजिल पर रहती थी।मां की कैंसर से मौत के बाद खुशबू और डॉली ने प्रेम विवाह कर लिया और कोरोना से पहले 45 लाख में अपने हिस्से की प्रॉपर्टी एक प्रॉपर्टी डीलर को एग्रीमेंट कर लखनऊ चली गईं। प्रॉपर्टी डीलर मकान खाली कराना चाहता था, उसका शांति देवी से विवाद भी होता था। पुलिस प्रॉपर्टी डीलर को संदिग्ध मानकर तलाश कर रही है।ई रिक्शा तक पहुंचा खोजी कुत्ता- मौके पर पहुंची डॉग स्क्वायड की टीम का खोजी कुत्ता टोनी घटनास्थल से 100 मीटर दूर ई रिक्शा तक पहुंचा। इसके बाद वापस 60 मीटर दूर स्थित पेट्रोल पंप पर गया फिर वापस लौट आया। पुलिस ई रिक्शा चालक समेत कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। गली में नहीं मिला एक भी सीसीटीवी कैमरा- जिस मकान में मां-बेटी की हत्या हुई। उस गली में आठ मकान है। खास बात यह है कि किसी भी मकान में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। यहीं नही गली आगे जाकर बंद भी हो जाती है। ऐसे में हत्यारे की तलाश करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है।

आठ माह पहले शादी... अब नवविवाहिता का कत्ल, चचेरी बहन के विवाह में आई थी शिवानी; बाथरूम में मिले ऐसे निशान

गोरखपुर में चचेरी बहन की शादी में आई नवविवाहिता की गला रेतकर हत्या कर दी गई। झंगहा इलाके के लक्ष्मीपुर गांव में रविवार को आधी रात के बाद वारदात हुई। एसपी नार्थ के नेतृत्व में फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड ने साक्ष्य जुटाए हैं। गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र के जंगल रसूलपुर नंबर दो स्थित लक्ष्मीपुर गांव में चचेरी बहन की शादी में शामिल होने ससुराल से आई शिवानी (20) की रविवार की देर रात गला रेतकर हत्या कर दी गई। शिवानी की आठ महीने पहले देवरिया जिले के रुद्रपुर क्षेत्र के अवस्थी गांव में शादी हुई थी। उसका शव घर के पास बने टॉयलेट में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। एसपी नार्थ के नेतृत्व में फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड टीम ने साक्ष्य जुटाए। जंगल रसूलपुर नंबर दो निवासी प्राथमिक विद्यालय की रसोइया नोहरी देवी ने आठ माह पहले अपनी बेटी शिवानी की शादी देवरिया के रुद्रपुर अवस्थी गांव निवासी भीम निषाद से की थी। नोहरी ने बताया कि तीन दिन पूर्व शिवानी चचेरी बहन अमिता की शादी में शामिल होने ससुराल से आई थी। रविवार की रात घर से करीब दो सौ मीटर दूर जयमाल का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच शिवानी स्टेज से उतरकर चली गई।देर रात जब नोहरी घर पहुंचीं तो शिवानी वहां नहीं मिली। बड़ी बेटी से पूछताछ करने पर पता चला कि वह काफी पहले ही घर आ गई थी। परिजनों ने तलाश शुरू की तो घर के पास बने टॉयलेट के दरवाजे के नीचे से हाथ दिखा।दरवाजा खोला गया तो खून से लथपथ शिवानी की लाश पड़ी मिली। धारदार हथियार से उसका गला रेता गया था। शिवानी की लाश मिलने की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर कुछ ही देर में एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र, थाना पुलिस, फॉरेंसिक व डॉग स्क्वॉड टीम पहुंच गई। पुलिस ने नोहरी देवी की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कॉल डिटेल, गांव के लोगों के बयान और फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस गांव के एक युवक की तलाश कर रही है। संदिग्ध के परिवार के कुछ सदस्यों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।संदिग्ध युवक के घर की ओर गया खोजी कुत्ता- सोमवार की सुबह भी डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। खोजी कुत्ते को खून के धब्बे सुंघाए गए, जिसके बाद वह घर के पीछे की गली की ओर गया। उसी दिशा में वह युवक रहता है, इससे उस पर शक गहरा गया है। फॉरेंसिक टीम ने खून, मिट्टी, चप्पलों के निशान और अंगुलियों से जांच के लिए नमूने एकत्र किए हैं।घटनास्थल पर संघर्ष के निशान, हथियार नहीं मिला बाथरूम में खून के छींटे, खरोंच के निशान और टूटे हुए प्लास्टिक के टुकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं कि शिवानी ने खुद को बचाने की पूरी कोशिश की। फॉरेंसिक टीम ने खून, मिट्टी, उंगलियों के निशान और कई नमूने जुटाए हैं। घटनास्थल से कोई भी हथियार बरामद नहीं हुआ है।चचेरी बहन की शादी में आई नवविवाहिता की गला रेतकर हत्या की गई है। प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गांव के एक युवक पर शक है। जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।- राज करन नय्यर,

डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन में प्रदेश में बरेली को पहला स्थान, सूची से हटाए गए 88,196 वोटर

डुप्लीकेट मतदाताओं का बीएलओ को घर-घर भेजकर सत्यापन कराया गया है। सूची से हटाए गए डुप्लीकेट मतदाता सत्यापन में 77.66 प्रतिशत पात्र मतदाता मिले हैं। जबकि

बरेली जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान तेजी से चल रही है। पंचायत निर्वाचक नामावली में मौजूद डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन का काम समय से पहले ही पूरा हो गया है। सत्यापन में 88,196 वोटर डुप्लीकेट मिले मिले हैं। बरेली जिले में पंचायत की मतदाता सूची में 88,196 वोटर डुप्लीकेट मिले हैं, जो कुल संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं का 22.34 प्रतिशत है। यह वह वोटर थे, जिनके नाम मतदाता सूची में दो या इससे अधिक बूथों पर थे। इस तरह पंचायत निर्वाचक नामावली में मौजूद डुप्लीकेट वोटरों के सत्यापन का कार्य समय से पहले ही पूरा हो गया है। इसी के साथ बरेली को प्रदेश में पहला स्थान मिला है।डुप्लीकेट वोटरों के सत्यापन के संबंध में सोमवार को शासन ने जिलों की रैंक जारी की है। इसमें बरेली पहले और एटा जिले को दूसरा स्थान मिला है। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि निर्वाचन आयोग से जिले में 3.94 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची प्राप्त हुई थी, जिसमें शामिल सभी 88,196 मतदाता डुप्लीकेट मिले हैं, जो 22.34 प्रतिशत है। यह वह मतदाता हैं, जिनके नाम दो से चार या पांच-छह अन्य बूथों की भी वोटर लिस्ट में थे। इनको मतदाता सूची से हटाया गया है। इन डुप्लीकेट मतदाताओं में कुछ ऐसे भी मिले हैं, जो वर्तमान में उस बूथ क्षेत्र में निवास नहीं कर रहे हैं, कहीं अन्य स्थान के लिए शिफ्ट कर चुके हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन में 3,06,690 वोटर पात्र पाए गए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने जिले की मतदाता सूची में संभावित डुप्लीकेट वोटरों की सूची 20 अगस्त को जिला निर्वाचन अधिकारी को दी थी। इसके बाद से संभावित डुप्लीकेट वोटरों के सत्यापन का कार्य चल रहा था। एसआईआर में मीरगंज टॉप पर- 24 नवंबर को 12:30 बजे तक की रिपोर्ट के मुताबिक, एसआईआर अभियान में 43.03 फीसदी गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन के साथ मीरगंज विधानसभा क्षेत्र का काम जिले में सबसे बेहतर है। मतदाताओं से वापस प्राप्त गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन में फरीदपुर तहसील की प्रगति सबसे कमजोर सिर्फ 19.89 फीसदी है। बहेड़ी की 39.34, सदर तहसील के विधानसभा क्षेत्र भोजीपुरा की 37.63 और बिथरी चैनपुर की 34.77, बरेली नगर की 27.46, बरेली कैंट क्षेत्र की 26.15, नवाबगंज क्षेत्र की 36.47 और आंवला विधानसभा क्षेत्र की प्रगति 34.13 फीसदी है।

देश के विभिन्न राज्यों में चुनाव आयोग द्वारा लागू की जा रही एसआईआर प्रक्रिया जटिल, पक्षपाती तथा आम जनता के लिए चिंता का विषय बन गई है- ओमप्रकाश शर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच / कैराना एवं थानाभवन विधानसभा के कांग्रेस पार्टी के एसआईआर कोर्डिनेटर ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि एसआईआर फार्म भरने में लोगों को काफी दिक्कते आ रही है। इस प्रक्रिया को जिला प्रशासन सरल करे और बीएलओ घर-घर जाकर सत्यापन कराये। जिससे महिलाओं, बुर्जुगों और अन्य लोगों को परेशानी न हो। मंगलवार को शहर के विश्वकर्मानगर स्थित कैंप कार्यालय पर बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के कैराना एवं थानाभवन विधानसभा एसआईआर कोर्डिनेटर ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में चुनाव आयोग द्वारा लागू की जा रही एसआईआर प्रक्रिया जटिल, पक्षपाती तथा आम जनता के लिए चिंता का विषय बन गई है। एसआईआर फार्म भरने में लोगों को परेशानी हो रही है। खासतौर पर जो लोग गांव छोडकर शहरों में आकर बस गए है उनको अपनी पुरानी वोटर लिस्ट में नाम नही मिल पा रहे।

शादी शुदा महिलाओं को अपने पिता का वोटर लिस्ट में नाम लेने के लिए अपने मायके जाकर ढूढना पड रहा है। मृतक माता पिता की मतदाता सूची न मिलने से वह भटक रहे है। उन्होने जिला प्रशासन से मांग की कि बीएलओ घर घर जाकर सत्यापन करें और फार्म भरने के कार्यो को सरल किया जाये। पूर्व नगर अध्यक्ष वैभव गर्ग ने कहा कि एसआईआर को लेकर विशेषकर दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग अपने मताधिकार से वंचित होने का खतरा महसूस कर रहे हैं। एसआईआर लागू होने के बाद कई राज्यों में बीएलओ कर्मचारियों द्वारा आत्महत्या जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जो पूरी प्रक्रिया की गंभीरता और दबाव को दर्शाती हैं। उन्होने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को आम जनता के हित में सरल बनाया जाए। कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मताधिकार की रक्षा सर्वोपरि है, जिसे किसी भी कीमत पर सुरक्षित रखा जाना चाहिए। इस अवसर पर प्रवीन तरार, ओमबीर उपाध्याय, बिजेन्द्र पाल शर्मा, ज्योति प्रसाद शर्मा, रविन्द्र आर्य, सोहिल धीमान प्रीतम सिंह, सुभाष सिलावर आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु न्यायिक अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक सम्पन्न हुई

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 13 दिसम्बर 2025 को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु आज माननीय जनपद न्यायाधीश श्री विरजेन्द्र कुमार सिंह के कुशल-मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी/अपर जिला न्यायाधीश श्री सतीश चन्द्र द्विवेदी के विश्राम कक्ष में उनकी अध्यक्षता में न्यायिक अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। इसमें उपस्थित न्यायिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पारूल पँवार द्वारा बताया गया कि आज नोडल अधिकारी/ अपर जिला न्यायाधीश श्री सतीश चन्द्र द्विवेदी ने जिला प्रशासन के अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) श्री योगेन्द्र सिंह से कहा कि वे विभिन्न उपजिला मजिस्ट्रेट न्यायालयों में लम्बित दाण्डिक प्रकीर्ण वादों को चिन्हित कराकर अतिशीघ्र इनकी सूची जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध करायें और अपने विभाग से सम्बन्धित मामलों में तत्परता से पैरवी कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अपर पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप कुमार वर्मा से कहा गया कि वह अपने स्तर से सभी थानों के प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को इस आशय का निर्देश निर्गत करें कि वे विभिन्न न्यायालयों से निर्गत सम्मन/नोटिसों का तामीला शत् प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें, क्योंकि यह तथ्य संज्ञान में आया है कि कतिपय थानों से सम्मन/नोटिसों का तामीला सही ढंग से नहीं कराया जाता है। इस सम्बन्ध में ढिलाई न बरती जाये। उन्होंने अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 वीरेन्द्र सिंह से अपेक्षा की गयी कि वह आशा बहुओं की होने वाली नियमित बैठकों में राष्ट्रीय लोकअदालत के आयोजन का प्रचार कराये जाने हेतु उन्हें निर्देशित करें तथा चिकित्सा विभाग से सम्बन्धित लम्बित तथा प्री लिटिगेशन वादों की नियत वादों की सूची जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उरई को शीघ्रातिशीघ्र प्रेषित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने परिवहन विभाग के प्रतिनिधि वरिष्ठ सहायक श्री रामगोपाल से ऐसे मामलों को चिन्हित करने व आवयश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराने को कहा जो लोकअदालत में निस्तारित कराये जा सकें।

संक्षिप्त समाचार

थाना डिलारी पुलिस द्वारा नाजायद तमंचा के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध अस्ला व कारतूस के विरुद्ध अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मुरादाबाद के पयवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद की देखरेख में आज दिनांक 25.11.2025 को थाना डिलारी पुलिस द्वारा अभियुक्त मौ0 नईम पुत्र मौ0 हुसैन निवासी ग्राम कुरी थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद उम्र करीव 29 वर्ष को एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व 02 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना डिलारी पर मु0अ0स0 272/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। अभियुक्त मौ0 नईम उपरोक्त से अवैध तमंचा व कारतूस प्राप्त करने के स्त्रोत के सम्बन्ध में जानकारी की गयी तो अभियुक्त मौ0 नईम उपरोक्त ने चुप्पी साध ली तथा कोई जबाब नही दिया। अभियुक्त मौ0 नईम उपरोक्त को समुचित अभिरक्षा में मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया।

ग्राम पंचायत खालबहरा के ग्रामीणों को दोहरी मार,पहले हेण्डपम्प ठीक था, बाद में नल जल का लालच,फिर पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा

क्यूँ न लिखूँ सच / बिहारपुर - सूरजपुर जिले के जिले के दुरस्त अंचल चांदनी क्षेत्र के ग्राम पंचायत खालबहरा में दो महीने से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा के द्वारा खोदवाये गए हैण्ड पंप के पानी का ग्रामीणों के द्वारा ठीक से उपयोग किया जा रहा था जिसमें ग्रामीण खुश थे।जिसमें नल जल के ठेकेदार के द्वारा समर्सिबल पंप लगाकर पानी टंकी नल जल योजना में सप्लाई किया गया 1 माह तक ठीक से उपयोग किया गया जो बाद में अंदर धंस गया न तो पंप चल रहा समर्लिबल न तो निकालने के बाद हेण्डपम्प का पाईप डालने पर वह भी जाम हो गया ऊपर से मिट्टी गिर गया है ग्रामीणो में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने कलेक्टर सुरजपुर से शिघ्र सुधार की मांग की है। सरपंच ग्राम पंचायत खालबहरा कौशिल्या सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया ग्राम पंचायत खालबहरा के ग्रामीण पानी को लेकर बहुत परेशान हैं टंकी का संचालन भी बंद हो गया हेण्डपम्प भी बंद हो गया जल्द पानी की व्यवस्था किया जाना जनहित में आवश्यक है।

माँ गढ़वतिया देवी धाम महुली में अधूरा पड़ा सोलर हाई मास्ट लाइट का काम, श्रद्धालुओं की बढ़ रही चिंता

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर जिले के ओड़गी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत महुली स्थित माँ गढ़वतिया देवी धाम में अधूरे विकास कार्यों को लेकर क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है। ऊँचे पहाड़ पर गुफा रूप में स्थित यह पवित्र धाम सिर्फ सूरजपुर ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ के हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। दोनों नवरात्रियों में यहाँ विशाल मेला लगता है और श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। क्रेडा विभाग द्वारा माँ धाम परिसर में दो सोलर हाई मास्ट लाइट लगाने की स्वीकृति दी गई थी।

इनमें से एक लाइट धर्मशाला के पास लगभग आठ महीने पहले लगा दी गई, लेकिन दूसरी हाई मास्ट लाइट जो कि धाम के ऊपरी हिस्से में लगनी थी, उसका कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। ठेकेदार द्वारा बड़ा गड्ढा खोदकर छोड़ देने से श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। धाम क्षेत्र में जगह कम होने से किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि इस अधूरे कार्य की सूचना विभाग को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ठेकेदार द्वारा कार्य पूरा न करने से विकास कार्य अटका हुआ है।

वहीं, ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि किए गए कार्य की मजदूरी का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्राम पंचायत महुली के सरपंच करौटी ए. गजमोचन सिंह सहित ग्रामीण- लक्ष्मण जायसवाल, सुन्दरलाल साहू, सुरेश गुप्ता, शिशुपाल जायसवाल, श्यामसुंदर साहू और लालचंद साहू ने संयुक्त रूप से जिला प्रशासन से माँ गढ़वतिया धाम पर सोलर हाई मास्ट लाइट का अधूरा कार्य तत्काल पूर्ण कराने की अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग सामग्री उपलब्ध करा दे, तो वे जनसहयोग से यह कार्य स्वयं पूरा करने को तैयार हैं, ताकि नवरात्रि सहित अन्य भीड़-भाड़ वाले समय में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो और दुर्घटना की आशंका समाप्त हो सके। माँ गढ़वतिया देवी धाम क्षेत्र की यह समस्या प्रशासनिक उदासीनता का परिचायक बनती जा रही है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि जिला प्रशासन शीघ्र हस्तक्षेप कर अधूरा पड़ा यह महत्वपूर्ण कार्य पूरा करवाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित और बेहतर सुविधा मिल सके

बरेली में जज के आवास में लगी आग, इन्वर्टर में शॉर्ट सर्किट से हुई घटना; काफी सामान जला

बरेली में जज के आवास में लगी आग, इन्वर्टर में शॉर्ट सर्किट से हुई घटना; काफी सामान जलाबरेली के आवास विकास स्थित जज ज्ञानेंद्र त्रिपाठी और डॉ. मधुलिका त्रिपाठी के आवास में मंगलवार को सुबह अचानक आग लग गई। घर की पहली मंजिल पर बने हिस्से में आग लगने से काफी सामान सामान जल गया। बताया गया कि 11:30 बजे के बीच अचानक इन्वर्टर में शॉर्ट सर्किट हुआ। स्पार्क से पहले इन्वर्टर में आग भड़की, जिसके बाद लपटें पास में बने मंदिर तक पहुंच गई थी। आग लगने की सूचना से भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची फायर यूनिट ने आग बुझाई।जज ज्ञानेंद्र त्रिपाठी की पत्नी डॉ. मधुलिका त्रिपाठी श्रम विभाग में कार्यरत हैं। डॉ मधुलिका ने बताया कि वह पूजा करने के बाद धूप में बाहर बैठी थीं, तभी उनका बेटा धुआं देखकर चिल्लाता हुआ बाहर निकल आया। घर की पहली मंजिल पर आग लगी थी। आग की चपेट में छत पर लगी फाइबर शीट आ गई, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। जिसके बाद घर की छत रखे सामान और एसी की आउटडोर यूनिट, जनेटर तक आग पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू - परिवार के लोगों ने आग बुझाने के प्रयास करने के साथ तत्काल अग्निशमन विभाग को कॉल किया। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और तेजी से रेस्क्यू शुरू किया। आग पर काबू पाने में टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि काफी सामान जल गया है। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है और शॉर्ट सर्किट के कारणों की भी जांच की जा रही है। सीएफओ मनु शर्मा ने बताया कि उन्हें आग लगने की सूचना मिली थी। टीम ने सूचना मिलने दो मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू कर आग पर काबू पाया।

मैहर देवी और विंध्यवासिनी मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, एजेंसियां अलर्ट; अष्टभुजा-कालीखोह की हुई सघन जांच

मैहर देवी और विंध्यवासिनी मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, एजेंसियां अलर्ट; अष्टभुजा-कालीखोह की हुई सघन जांचविश्व विख्यात आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी मंदिर को सोमवार की आधी रात बम से उड़ाने की धमकी पुलिस को मिली। 112 पर कंट्रोल रूम को धमकी मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स बम डिस्पोजल स्क्वाड के साथ विन्ध्याचल पहुंची। देर रात तक विन्ध्यवासिनी मंदिर सहित, अष्टभुजा, कालीखोह मंदिरों की सघन जांच की गई। दूसरी तरफ फोन के माध्यम से ट्रेस कर धमकी देने वाले प्रयागराज निवासी युवक को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

लखनऊ कंट्रोल रूम ने यह जानकारी मिर्जापुर कंट्रोल रूम को आधी रात को दी। बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स, बम निरोधक दस्ता सहित रात 12:15 से लेकर रात्रि 2:00 बजे तक मां विंध्यवासिनी मंदिर,काली खोह मंदिर व मां अष्टभुजा देवी मंदिर प्रांगण में बम में तलाशी ली गई। इस दौरान सुरक्षा, सूचना और पुलिस के विभिन्न अंग मौजूद रहे। संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाया गया।सुरक्षा में तैनात रही पुलिस अभियान के दौरान मां विंध्यवासिनी मंदिर प्रांगण, इंट्रेंस प्लाजा, परिक्रमा पथ एवं चारों प्रमुख मार्गों एवं काली खोह मंदिर व अष्टभुजा देवी मंदिर में टीम ने जाकर तलाशी ली। अभियान के दौरान किसी भी प्रकार से कोई वस्तु नहीं मिली। तब जाकर प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रयागराज जनपद के हनुमान मंदिर के पीछे सिविल लाइन निवासी मयंक उम्र 42 वर्ष ने 12 बजकर 15 मिनट पर लखनऊ 112 कंट्रोल रूम को सूचना दी। मिर्जापुर पुलिस ने प्रयागराज पुलिस से संपर्क किया।

युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तीनों मंदिरों की सघन जांच के दौरान सीओ सिटी, बम डिस्पोजल टीम, एलीटेज विभाग, एल आई यू, मंदिर धाम सुरक्षा प्रभारी तथा थाना प्रभारी के साथ पुलिस दलबल के साथ मौजूद रही। एसओ विन्ध्याचल वेद प्रकाश पांडेय ने बताया कि देर रात लखनऊ कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी। तीनों मंदिरों की सघन जांच हुई। प्रयागराज से बताया गया कि धमकी देने वाले को हिरासत में ले लिया गया है। 20 साल से मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है।

जार्जिया में बरेली के एमबीबीएस छात्र की मौत, दूतावास से परिजनों को मिली सूचना

बरेली के रिछा निवासी सफवान जार्जिया में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे। परिजनों के मुताबिक दूतावास से सफवान की मौत की सूचना मिली। बताया गया कि पहाड़ी से गिरकर सफवान की मौत हुई है। बरेली के रिछा निवासी छात्र सफवान की जार्जिया में मौत हो गई है। छात्र के परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक सफवान जार्जिया में एक मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे। वह अंतिम वर्ष के छात्र थे।

परिवार को दूतावास से सूचना मिली कि सफवान की पहाड़ी से गिरकर मौत हो गई है।सफवान की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि सफवान का शव भारत लाकर सुपुर्दे खाक करना है। इस प्रक्रिया में दस्तावेज संबंधी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

ध्वजारोहण समारोह: अयोध्या की गली-गली में गूंज रही राम धुन, उल्लास में डूबे श्रद्धालु; चरम पर आध्यात्मिक माहौल

ध्वजारोहण समारोह के लिए अयोध्या की गली-गली में राम धुन गूंज रही है। श्रद्धालु उल्लास में डूबे हैं। संतों में खासा उत्साह दिख रहा है। आध्यात्मिक माहौल चरम पर है।अयोध्या स्थित राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह के दौरान रामपथ, समेत अन्य मार्गों और गलियों में राम धुन आगमन की खुशी में श्रद्धालु उल्लासित हैं। के बाद अब राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह है।बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु सरयू स्नान इस मौके पर सुरक्षा चाक चौबंद है। एसपीजी, गलियों में मुस्तैद हैं। ध्वजारोहण और पीएम को नई दुल्हन की तरह सजाया गया है। ऐसी है कि त्रेता युग जैसा आभास हो रहा अर्जित किया राम मंदिर के शिखर पर पूरी तरह आस्था की रौ में डूबी नजर आई। शहर कई क्षेत्रों को सील भी किया गया है। श्रद्धालुओं के आस्था के कदम थमे नहीं। स्नान-दान के साथ ध्यान कर दिन की पवित्र दान कर पुण्य अर्जित किया। आस्था किसी मंदिरों में घंटा-घड़ियाल लगातार गूंज रहे के दर्शन आज संभव नहीं हो पा रहे, लेकिन की तरह पूजा-अर्चना निर्बाध जारी है। पूरे शहर में आध्यात्मिक माहौल चरम पर है। श्रद्धालुओं का उत्साह दर्शाता है कि आस्था किसी भी बंदिश से बड़ी होती है। ध्वजारोहण के इस अवसर पर अयोध्या पूर्ण रूप से भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर है।

भक्तिपथ, धर्मपथ और जन्मभूमि पथ गूंज रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर कोई भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आस्था के भाव से सराबोर कर मंदिरों में दर्शन पूजन कर रहे हैं। एनएसजी और एटीएस सड़कों और मोदी के आगमन के मौके पर अयोध्या चौक चौराहे फूलों से सजे हैं। भव्यता है।श्रद्धालुओं ने गो-दान कर पुण्य ध्वजारोहण की शुभ सुबह अयोध्या पीएम मोदी के आगमन को लेकर लेकिन, इन पाबंदियों के बावजूद बड़ी संख्या में भक्त सरयू घाट पहुंचे। शुरुआत की। कई श्रद्धालुओं ने गो- भी बंदिश से बड़ी होती है शहर के हैं। भले ही सुरक्षा कारणों से रामलला अयोध्या के अन्य मंदिरों में रोजमर्रा

प्रेमिका की इस बात से नाराज था आलोक... समझाने पर भी न मानी तो काट दी गर्दन; कातिल ने सुनाई पूरी कहानी

लखनऊ में बीएससी की छात्रा प्रियांशी रावत (19) की घर में घुसकर हत्या करने के आरोपी प्रेमी आलोक रावत ने पुलिस के सामने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने बताया कि प्रियांशी ने उसका फोन नंबर ब्लॉक कर दिया था। इससे वह में बीएससी की छात्रा प्रियांशी रावत की ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के का कारण चौंकाने वाला बताया। फिलहाल यहां से उसे जेल भेज दिया गया है। से इनकार करने पर बीएससी की छात्रा हत्या करने के आरोपी प्रेमी आलोक रावत नंबर ब्लॉक कर दिया था। इससे वह नाराज पांडेय के मुताबिक शुरू में प्रियांशी और होती थी। यह सिलसिला काफी समय आने लगा था। इस बीच प्रियांशी का मोहनलालगंज से कॉलेज आने-जाने लगी ब्लॉक- छानबीन में सामने आया है कि था, जो प्रियांशी को नागवार गुजरा। छात्रा बढ़ती गईं। इससे नाराज होकर प्रियांशी ने बाद वह अलग-अलग नंबरों से उसे फोन कि उसे शक था कि प्रियांशी किसी और नहीं कर पा रहा था। साजिश के तहत में घुसा। उसने करीब 200 मीटर दूर बुलेट की आवाज सुनकर प्रियांशी दरवाजा बंद प्रियांशी को बहुत समझाने की कोशिश हटाने के लिए कहा, लेकिन प्रियांशी नहीं उसने थर्माकोल कटर से प्रियांशी के गले कहना है कि पता लगाया जा रहा है कि था? आरोपी को जेल भेज दिया गया है। कटर और बाइक बरामद कर ली है।डॉक्टरों के शव का सोमवार को डॉक्टरों के पैनल वीडियोग्राफी कराई गई। डॉक्टरों ने स्लाइड भी बनाई है। उधर, हत्या के बाद से प्रियांशी के घर के बाहर सन्नाटा पसरा है। ग्रामीणों ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी खून से सने कपड़े में घर से निकला था। उसके हाथ में कटर था, जिसे देखकर किसी ने उसे पकड़ने की हिम्मत नहीं जुटाई।यह था पूरा मामला राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज के धर्मावतखेड़ा गांव में रविवार दोपहर प्रेमी ने घर में घुसकर थर्माकोल काटने वाले कटर से बीएससी की छात्रा की गला रेतकर हत्या कर दी। धर्मावतखेड़ा गांव निवासी पूनम रावत एक निजी अस्पताल में काम करती हैं। रविवार दोपहर पूनम काम पर गई थीं। उनकी बड़ी बेटी प्रियांशी (19) और छोटी बेटी महक घर पर थीं। दोपहर लगभग 12.30 बजे बीबीडी लोनापुर निवासी आलोक रावत उनके घर पहुंचा। घर के भूतल पर मौजूद महक से प्रियांशी के बारे में पूछकर पहली मंजिल पर पहुंचा। यहां किचन में मौजूद प्रियांशी से किसी बात पर उसकी बहस हो गई। इस बीच आरोपी ने कटर निकाल कर प्रियांशी की गर्दन पर ताबड़तोड़ कई वार कर गला रेत दिया। गर्दन की नस कटने से खून से लथपथ प्रियांशी गला पकड़े चीखती हुई सीढ़ियों से नीचे उतरकर बरामदे तक पहुंची और दम तोड़ दिया। इस बीच आलोक बुलेट से भाग निकला। शादी से पहले ही करने लगा था मारपीट प्रियांशी की मां पूनम के मुताबिक, दो वर्ष पहले एक रिश्तेदार के तिलक में बेटी प्रियांशी (19) की मुलाकात आलोक रावत से हुई थी। इसके बाद दोनों में बातचीत होने लगी। कुछ दिन बाद आलोक ने शादी का प्रस्ताव रखा तो सभी लोग तैयार हो गए। बहन महक के मुताबिक, आलोक का घर आना जाना शुरू हो गया। लेकिन आलोक ने कई बार शराब के नशे में प्रियांशी के साथ मारपीट की। इस पर प्रियांशी ने शादी से इन्कार कर दिया। इससे आलोक नाराज था और प्रियांशी पर शादी का दबाव बना रहा था।बेटी को अफसर बनाना चाहती थी मां.... प्रियांशी के पिता रमेश कुमार की तीन वर्ष पहले बीमारी से मौत हो गई थी। मां पूनम ने नौकरी कर बेटियों का कॉलेज में दाखिला कराया। हत्या की खबर पाकर पूनम रोते-बिलखते घर पहुंचीं। खून से लथपथ बेटी के शव को गले से लगाकर रोने लगीं। पूनम ने बताया कि वह प्रियांशी को अफसर बनाना चाहती थीं। उम्मीद थी कि प्रियांशी पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका सहारा बनेगी, पर आलोक ने उनकी पूरी दुनिया ही उजाड़ दी।जिसने भी देखा मंजर, सहम गया वारदात के बाद घर की पहली मंजिल पर बने किचन से लेकर नीचे बरामदे तक बिखरा खून ही खून देख हर कोई सहम गया। गांव में इस बात की चर्चा भी है कि स्थानीय लोगों को आलोक का प्रियांशी के घर आना-जाना पसंद नहीं था। कुछ लोगों ने इसका विरोध भी किया था। खून से सना कटर मिला - एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने बताया कि छानबीन के दौरान मौके से खून से सना हुआ कटर मिला है। उसे जांच के लिए फॉरेंसिक टीम ने अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी आलोक रावत को पकड़कर पूछताछ की जा रही है।

नाराज था। उत्तर प्रदेश के राजधानी लखनऊ हत्या को अंजाम देने वाले प्रेमी को पुलिस बाद आरोपी से हत्याकांड को अंजाम देने पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। मोहनलालगंज के धर्मावतखेड़ा में शादी प्रियांशी रावत (19) की घर में घुसकर ने बताया कि प्रियांशी ने उसका फोन था। एसीपी मोहनलालगंज विकास कुमार आलोक के बीच फोन पर काफी बातचीत तक चला था। आरोपी प्रियांशी के घर भी दाखिला शहर में हो गया। वह थी।प्रियांशी ने आलोक का किया नंबर शक की वजह से आलोक पीछा भी करता ने समझाया भी, लेकिन उसकी हरकतें आलोक का नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके करने लगा। पूछताछ में आलोक ने बताया से फोन पर बात करती है। वह यह बर्दाश्त हत्या के इरादे से आलोक प्रियांशी के घर खड़ी कर दी थी। उसे पता था कि बुलेट कर लेगी। आरोपी ने बताया कि उसने ही। उसका फोन नंबर ब्लॉक लिस्ट से मानी। इससे उसे गुस्सा आ गया और पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। एसीपी का आरोपी ने थर्माकोल कटर कहां से खरीदा पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल थर्माकोल के पैनल से किया गया पोस्टमार्टम प्रियांशी से पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग का शुभारंभ एवं प्लम्बिंग कोर्स का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के निर्देशन में राजकीय इंटर कॉलेज गब्बापुर में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 250 ग्रामीण युवाओं हेतु प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग का उपनिरीक्षक विजय राम द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने प्रभावी नागरिकों में देशभक्ति और उत्साह की भावना का संचार किया। परिषद सदस्य, उत्तर प्रदेश द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। को संबोधित करते हुए बताया कि एसएसबी द्वारा संचालित यह हेतु पूर्ण रूप से तैयार करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। उन्होंने लिखित परीक्षा तथा चिकित्सा परीक्षा से संबंधित सभी आवश्यक

विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक मंच संचालन से मुख्य अतिथियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं ग्रामीण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय साकेत मिश्रा, विधान इस अवसर पर कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने उपस्थित युवाओं प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग ग्रामीण युवाओं को विभिन्न सुरक्षा बलों में भर्ती आश्वासन दिया कि प्रशिक्षण अवधि में युवाओं को शारीरिक दक्षता, तैयारियाँ कराई जाएँगी, जिससे वे भर्ती के योग्य बन सकें। मुख्य अतिथि साकेत मिश्रा ने एसएसबी द्वारा संचालित नागरिक कल्याण कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि एसएसबी सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने 250 बेरोजगार ग्रामीण युवा-युवतियों को प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अगले चरण में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत प्लम्बिंग प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 25 ग्रामीणों को मुख्य अतिथि साकेत मिश्रा एवं कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण द्वारा प्रमाणपत्र एवं प्लम्बिंग टूल किट प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान सहायक कमांडेंट अमित कुमार, एच. नाबाचंद सिंह, निरीक्षक अमित कुमार राठौड़ सहित वाहिनी के अन्य अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधि अमित कुमार शुक्ला, पूर्व ब्लॉक प्रमुख, प्रेरणा फाउंडेशन के संस्थापक संजय श्रीवास्तव, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जमीन विवाद में पूर्व प्रधान व पत्नी की हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती थाना इकौना क्षेत्र के ग्राम खावां पोखर गांव निवासी पूर्व प्रधान मोहम्मद रोशन खां व उनकी पत्नी का शव मिलने से हड़कंप मच गया मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई परिजनों ने घटना की सूचना थाना इकौना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी इकौना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए व घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारीयो को दी फोरेंसिक टीम घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन कर रही है। थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खावां पोखर में सुबह पूर्व प्रधान मोहम्मद रोशन खां 85 वर्ष का शव घर के बरामदे में व उनकी पत्नी वशीला 60 वर्ष का शव घर के बाहर मिलने से हड़कंप मंच गया परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी इकौना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर वरिष्ठ अधिकारीयो को घटना से अवगत कराया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलन किए परिजनों ने पुरानी रंजिश व प्रापर्टी विवाद में हत्या की आशंका जताई है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटीए अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया है। पुलिस अधीक्षक ने जल्द ही घटना का अनावरण कर लिया जाएगा फील्ड यूनिट द्वारा साक्ष्य एकत्र कर लिए गए हैं थाने पर टीम गठित की गई है परिजनों के अनुसार प्रथम दृष्टया सम्पत्ति विवाद में यह हत्या हुई है। घटना को सही कारण है उनका भी अनावरण कर लिया जाएगा।

पूर्वी सोहेलवा जंगल मे मिली अज्ञात शव

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। सिरसिया थाना सिरसिया क्षेत्र के अंतर्गत पूर्वी सोहेलवा जंगल में वन चौकी जरमौली के पास अज्ञात सड़ी हुई शव मिली है जिसकी अब तक पहचान नहीं हो पाई है घटना की जानकारी मिलते ही वन कर्मी व सिरसिया पुलिस मौके पर पहुंच गई सूचना पर फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाने में लग गई। थाना सिरसिया क्षेत्र के पूर्वी सोहेलवा जंगल में वन चौकी जरमौली के पास गाँव के चरवाहे जानवर को चराने के लिए गए थे कुछ चरवाहे तीव्र दुर्गंध का पीछा कर मौके पर पहुंचे तो देखा कि किसी अज्ञात पुरुष का सड़ा हुआ शव पड़ा है जिससे उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। घटना की जानकारी होते ही सिरसिया पुलिस मौके पर पहुंच गई साथ ही वनकर्मी भी मौके पर पहुंच कर कार्यवाही में जुट गए मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर साक्ष्य एकत्र किए उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव को पहचान के लिए मर्चरी हाउस में रखा जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल जिला अस्पताल रेफर

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती हरदत्तनगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिटकहना निवासी एक युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा जमुनहा-बहराइच राजमार्ग पर कानीबोझी चौराहा के निकट हुआ।

जानकारी के अनुसार सिटकहना निवासी राजेंद्र सोनकर (30) पुत्र रामविलास किसी कार्य से जमुनहा गए हुए थे। वापस घर लौटते समय अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह सडक पर गिरकर घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना 108 एंबुलेंस सेवा को दी। सूचना पर पहुँची एंबुलेंस गिरजेश सिंह और पायलट आलोक कुमार तिवारी ने घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Fast or slow walking: which walking is more beneficial for you? How to choose the right pace for your health?

Do you often wonder whether walking briskly or slowly is more beneficial? If so, both have their own benefits, depending on your age, health, and stamina. Let's explore which speed is most beneficial for your health. Walking is very beneficial for health. Walking helps with weight loss. Walking is also beneficial for heart health and digestion. Walking is an exercise that is one of the easiest ways to stay fit. Therefore, daily walking can be very beneficial for health. But the question often arises: is it more beneficial to walk briskly or slowly? If you want to know the answer to this question, let's explore whether fast or slow walking is beneficial for you. Benefits of Slow Walks - Slow walks are especially beneficial for beginners, the elderly, or those suffering from joint pain. Easy for Beginners - If you're new to exercise or just starting again after a long time, slow walks are an excellent option. They don't strain your body and reduce the risk of injury. Reduces Stress - Slow walking helps calm the mind. It's a form of meditation that can reduce stress and anxiety. Aids Digestion - A slow walk after meals, such as a 10-15 minute walk, helps activate the digestive system and regulates blood sugar levels. Improves Stamina - Regular slow walks gradually increase your stamina, preparing you for faster walks later. Benefits of a Brisk Walk - A brisk walk, or brisk walk, is a pace where your heart rate increases, your breathing becomes labored, but you can still talk. It's a powerful cardiovascular workout. Calorie Burn and Weight Loss - Brisk walking burns almost twice as many calories as slow walking. It's more effective for weight loss and fat reduction. Heart Health - It strengthens the heart muscle, regulates blood pressure, and helps lower bad cholesterol. This reduces the risk of heart disease. Bone and Muscle Strength - Brisk walking puts pressure on the bones and muscles of the legs and hips, increasing their density and reducing the risk of osteoporosis. Stamina and Energy Boost - Regular brisk walking improves your overall fitness, stamina, and energy levels. Which is more beneficial for you? Considering the benefits of both, it's difficult to say which one is better than the other. It depends on your personal goals and physical condition. If your goal is weight loss, heart health, or fitness, brisk walking is more beneficial. At the same time, if you are older, suffering from joint pain, recovering, or just want to stay stress-free and keep your body active, then slow walking is a great and safe option.

Try this amazing Idli Upma recipe for breakfast, a taste that will have everyone saying "Wow!"

Often, in the morning, you're at a loss for what to make quickly that's both delicious and healthy. If you have leftover idlis from last night, don't throw them away. Today, we bring you a wonderful and easy recipe called "Idli Upma." This upma is even more spicy and delicious than traditional upma. Idli Upma is a great fusion dish. It combines the softness of idlis with the spicy and tangy tadka of upma. It's not only a great way to use up stale idlis, but it's also a perfect option for kids' lunch or an evening snack. The best part is that it takes just 10 to 15 minutes to prepare. Let's learn its simple recipe without further ado. Ingredients for Idli Upma: 8 to 10 leftover idlis (or 2 cups of crushed gram flour) Oil: 2-3 tbsp mustard seeds 1 tsp urad dal 1/2 tsp curry leaves 8-10 green chillies 2 (finely chopped) Onion: 1 medium sized (finely chopped) Vegetables (carrots, peas) 1/4 cup (finely chopped) Turmeric powder 1/4 tsp Salt to taste 1 tsp Coriander leaves 2 tbsp (finely Lemon juice chopped, for garnish) Method for Idli Upma: First, break the leftover idlis into coarse powder by hand or in a mixer. Be careful not to grind them too finely. Heat some oil in a pan. First, add the mustard seeds and urad dal and fry them lightly. When the mustard seeds start crackling, add the curry leaves, chopped green chillies, and finely chopped onion and fry until golden brown. In the next step, you can add some finely chopped carrots, peas, or any other vegetables of your choice. This will not only make the upma colorful and nutritious, but will also enhance its flavor. Let the vegetables soften slightly. Then add turmeric, salt, and a little lemon juice, mixing well. Now it's time to pour the idli mixture into the pan. Add the coarsely ground idli powder and fry over low heat for 2 to 3 minutes, stirring constantly. Make sure the upma doesn't stick to the pan. When the idli mixture is thoroughly combined with the spices and emits a lovely aroma, turn off the heat. Your hot idli upma is ready. Garnish it with finely chopped coriander leaves and grated coconut. Serve it hot with sambar or coconut chutney. Believe me, everyone who tastes this delicious and spicy snack will be delighted to hear your praises and will surely ask you for more information on this recipe.

Make creamy 'Pink Sauce Pasta' at home; this Italian dish will be ready in 20 minutes; take note of this easy recipe.

Do you love pasta? The true flavor of pasta lies in its sauce. Mixed sauce pasta, made with red and white sauce, is so delicious that everyone loves it. Let's learn how to make creamy mixed sauce pasta at home (Mix Sauce Pasta Recipe). Mixed sauce pasta, also known as Pink Sauce Pasta, is a perfect blend of the spiciness of red sauce and the creaminess of white sauce. Its flavor is so amazing that it's loved by both children and adults. Especially if you're a fan of Italian food, you'll love pasta. Let's learn how to make an easy Pink Sauce Pasta recipe (Pink Sauce Pasta Recipe). Preparation Time Preparation Time- 10 minutes Cooking Time- 15-20 minutes Servings- 2-3 people Ingredients- Penne Pasta- 2 cups Water- 4-5 cups Salt- ½ tsp Oil- 1 tsp For vegetables and tempering- Butter/oil- 1 tbsp Garlic- 1 tbsp (finely chopped) Onion- 1 medium (finely chopped) Capsicum- ½ cup (chopped) Sweet corn- 2-3 tbsp (boiled) - optional For mixed sauce- Butter- 2 tbsp Refined flour- 2 tbsp Milk- 1.5 cups (cold) Tomato puree/pasta sauce- 3-4 tbsp Tomato ketchup- 1 tbsp Cheese- 2 cubes Spices- Chili flakes (1 tsp) Oregano/ mixed herbs (1 tsp) Black pepper powder (½ tsp) Salt (to taste) Method of preparation- Firstly, in a large vessel, heat the oil. Heat water. When it comes to a boil, add salt and 1 teaspoon of oil. Add the pasta and boil over medium heat for 8-10 minutes. The pasta should only be 80% cooked. After this, drain the pasta and rinse it under cold water to prevent sticking. Heat a teaspoon of butter or oil in a pan, add finely chopped garlic, and lightly sauté. Add the chopped onion, bell pepper, and corn, and sauté over high heat for 2 minutes. Do not completely mushy the vegetables; they should retain their crunch. Remove the vegetables to a plate and set them aside. Then, add 2 tablespoons of butter to the same pan, add 2 teaspoons of flour, and sauté over low heat for 1-2 minutes, making sure the flour does not brown. Slowly add the milk, stirring constantly to prevent lumps. Cook until the sauce thickens. Add the tomato puree or pasta sauce and tomato ketchup to this white sauce. Then add chili flakes, oregano, black pepper, and salt. Add the roasted vegetables and boiled pasta to the prepared sauce and mix well. Let it cook on low heat for 1-2 minutes so that the pasta absorbs the sauce. Finally, add the grated cheese and mix until melted. Serve hot mixed sauce pasta with some more chili flakes and oregano.

'The Family Man' will return, Manoj Bajpayee confirms

Manoj Bajpayee's 'The Family Man' Season 3 has created a buzz online, and now, after its climax, fans are eager to know if there will be a next season. Now, Manoj Bajpayee has confirmed it. Manoj Bajpayee Season 4 is 21st. The third will return as the Bajpayee's 'The released on November 21st. by viewers, but complaining about complained about on a cliffhanger However, Manoj delighted everyone Manoj Bajpayee "The Family Man fan's question. A watching Family you guys left it on tell us, is the season remaining episodes the great work." In confirmed The hinted at an wrote, "All the fourth season! See Bajpayee was underpaid for "cheap labor." He added that even big stars earn more in the streaming world. When Jaideep Ahlawat was asked about this, he said, "I agree with Manoj Bhai. This happens a lot." But he says change needs to happen in the mainstream, theatrical space as well. Commercial cinema is like a race. It's a horse race, isn't it? If you bet money on a horse, it will win because you know it deserves to win. If I'm betting 100 crore rupees on a film, I'll look for a face I know can make me 200 crore rupees. Obviously, I'll bet on an actor who can deliver," he said. Rashmika Mandanna reflected on the true meaning of feminine energy. The "Pushpa" actress explained how this feminine energy helps one see through things, people, and situations—allowing women to sense something is wrong before they even know why. Rashmika shared a heartfelt note, which read, "There's something about feminine energy... I don't know how to explain it but when you're truly in tune with yourself... you just know. You see through things... through people... through situations (sparkle emoji) You feel something is wrong before it actually happens, your gut tells you, but you ignore it because life makes it hard..(sic)." Global star Priyanka Chopra gained attention this weekend by reposting an Instagram story that expressed her feelings for husband Nick Jonas. The post, originally shared from a relationship-quotes account, read: "I will always be my husband's daughter... He's not just my partner. He's my prayer fulfilled."

confirms 'The Family Man' releasing on November season - Manoj Bajpayee 'Family Man' again. Manoj Family Man' Season 3 Amazon Prime Video on The series was well-received netizens were also its climax. One netizen 'The Family Man' ending and asked for an update. Bajpayee's response both and increased excitement. confirmed the next season, Season 4," in response to a user wrote, "I've been Man Season 3 all day, and such a cliffhanger. At least over, or will you release the later? Congratulations on response, Manoj Bajpayee Family Man Season 4 and exciting continuation. He answers will be in the you soon!" Manoj previously stated that he the series and called himself

Two friends, a dream... This Oscar-bound Hindi film dominates Netflix, also topping ratings.

Bollywood's latest movie, which will soon be headed to the Oscars, has now been released on the OTT platform after its theatrical release. The film has quickly become a top trending topic. If you missed this nearly two-hour film in theaters, you should definitely watch it on OTT. The film was released in theaters and received an IMDb rating of 8. The film is trending on OTT. Some films, beyond glamour, romance, and drama, serve as a mirror to society, presenting the stories of ordinary people. A recent film released on OTT also beautifully depicts this story on screen. While the film's collections weren't impressive, it received numerous praise. This low-budget Bollywood film premiered at the Cannes Film Festival. Furthermore, it has been nominated for the Oscars in 2026. This top-rated film is currently trending on OTT platforms. Homebound didn't work its magic in theaters. The film was released in theaters on September 26, 2025, and flopped at the box office. Now, nearly two months later, the film has arrived on the OTT platform. This film is called Homebound (Bollywood Movie Homebound). Homebound's Star Cast: Produced under the Dharma Productions banner, Homebound is directed by Neeraj Ghaywan. The film stars Ishaan Khattar, Vishal Jethwa, Janhvi Kapoor, Shalini Vats, and Chandan K. Anand in lead roles. The story revolves around Ishaan and Vishal. Janhvi also won hearts with her acting in a small role. Homebound's story: The struggle to get a government job, the education system, casteism, religion, and discrimination are all important topics. Mohammad Shoaib and Chandan work day and night to become constables. Where to watch Homebound on OTT? - Reportedly made on a budget of around Rs 3-4 crore, the film Homebound flopped at the box office. According to Bollywood Hungama, the film earned only Rs 3 crore. This film, which has an IMDb rating of 8, is being streamed on the OTT platform Netflix. Currently, it is at the fifth position in Netflix's top 10 trending list.

Did Masti 4 pass or fail the Monday test? You'll be shocked to see the earnings figures.

The adult comedy film Masti 4, starring actors Riteish Deshmukh, Vivek Oberoi, and Aftab Shivdasani, had a decent start at the box office. However, on the fourth day of its release, the entire math of Masti 4's collections has changed. The adult As expected, Masti 4 had a decent start at the box office. demonstrating its strength in the Monday test. So, let's find and Riteish Deshmukh, earned at the domestic box office on the fourth day of its release: Masti 4 was released in first three days of release. After the opening weekend, Masti succeeded in this regard can be easily gauged by its fourth- approximately ?15 million at the domestic box office on veteran actor Dharmendra is a major reason for this, as previously made a strong mark in terms of earnings in its film's slow opening on Monday. It will be interesting to see remain confined to the non-holiday season. Daily collection

comedy film Masti 4 is currently entertaining audiences in theaters. After a strong opening weekend, Masti 4 faced a major challenge in out how many crores Masti 4, starring Aftab Shivdasani, Vivek Oberoi, on Monday (Mastiii 4 Box Office Collection Day 4). Masti 4's collection theaters worldwide last Friday. The film exceeded expectations in its 4 faced a bitter test at the box office on Monday, and whether the film day collection. According to a report by SacNilk, the film grossed Monday, which is considered quite low for a Monday. The death of Mondays are considered a dark day for the film industry. Having first three days, Masti 4 will now struggle on weekdays, driven by the whether Masti 4 will be able to make a comeback at the box office or of Masti 4 - Day 1 - 2.75 crores Day 2 - 2.75 crores Day 3 - 3 crores Day 4 - 1.50 crores Total - 10 crores In this way, from the first day of its release till now, Masti 4 has maintained its earning streak at the box office.